वर्ष 47, अंक 02, वीर संवत् 2552, सितम्बर 2026, इन्दौर 452 001
डाक Registered No. MP/IDC/113/2024-2026 RNI/HIN/37-1982
मूल्य 20 रुपए
प्रकाशन तारीख 27.09.2026, प्रेषण तारीख 29.09.2026, प्रेषण स्थल – RMS इन्दौर

श्री जैन सेवा समिति श्वेताम्बर इन्दौर द्वारा प्रकाशित

प्रधान सम्पादक
नरेन्द्रकुमार रांका

जैन प्रतीक

समग्र जैन समाज का मासिक पत्र

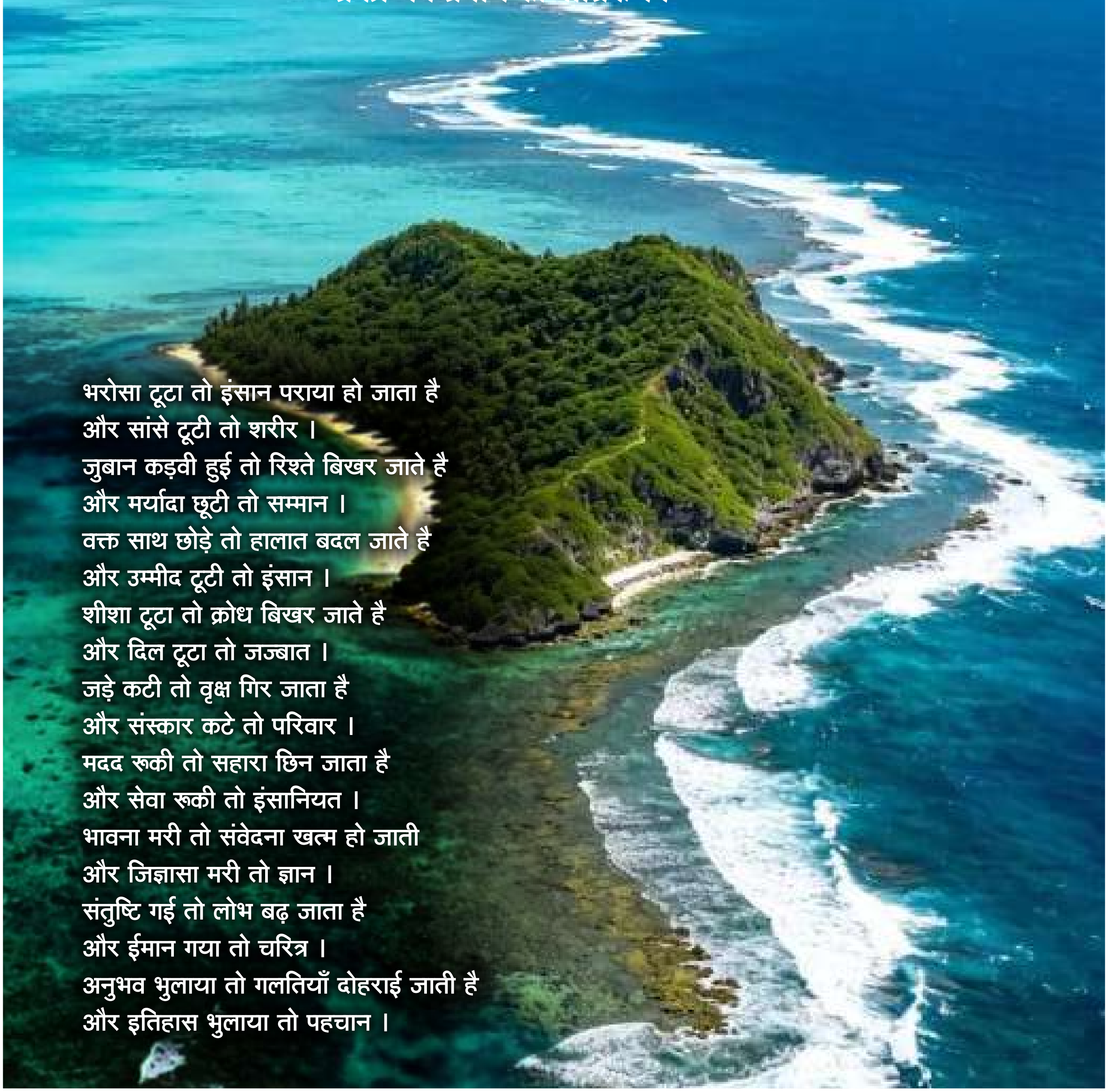

भरोसा टूटा तो इंसान पराया हो जाता है
और सांसे टूटी तो शरीर ।
जुबान कड़वी हुई तो रिश्ते बिखर जाते है
और मर्यादा छूटी तो सम्मान ।
वक्त साथ छोड़े तो हालात बदल जाते है
और उम्मीद टूटी तो इंसान ।
शीशा टूटा तो क्रोध बिखर जाते है
और दिल टूटा तो जज्बात ।
जड़े कटी तो वृक्ष गिर जाता है
और संस्कार कटे तो परिवार ।
मदद रूकी तो सहारा छिन जाता है
और सेवा रूकी तो इंसानियत ।
भावना मरी तो संवेदना खत्म हो जाती
और जिज्ञासा मरी तो ज्ञान ।
संतुष्टि गई तो लोभ बढ़ जाता है
और ईमान गया तो चरित्र ।
अनुभव भुलाया तो गलतियाँ दोहराई जाती है
और इतिहास भुलाया तो पहचान ।

प्रतिदिन मालवा के प्रसिद्ध
लड्डू
बाफला
Mob : 88787-93939
घर पहुंच सेवा
पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते हैं।
होटल
राजहंस
52, बड़ा सराफा, इन्दौर (म.प्र.)
2541671, 2544261, 9009293939

इत्र
॥ श्री ॥
सेन्ट
ऋषभ जैन उपकरण भण्डार
श्वेताम्बर व दिगम्बर मंदिरों में लगने वाली समस्त पूजन सामग्री
विशेष : पूजन शोले, चन्दन, वासक्षेप, बरक धूपसली, केसर,
ब्रास, अंगरचना, सामग्री, सामायिक सामग्री
41, इतवारिया बाजार, सब्जीमंडी, मोती महल के पास, इन्दौर
विजय कंकरेचा
मो. 9826359259
(ब्रांच) 2459963
आकाश कंकरेचा
मो. 9826359659
(ऑ) 2430387
सहयोगी प्रतिष्ठान : ऋषभ एण्ड कम्पनी 17, मरोठिया बाजार, इन्दौर

मे. अशोक कुमार एण्ड कम्पनी
सोने एवं चाँदी के फेंसी आभूषण के विक्रेता
शक्कर बाजार, राजरतन काम्पलेक्स (तलघर में), इन्दौर
Mob : 96304-27084, 98268-53400

रोटेरियन
एम.डी. दिलीप सेकेट्री
मो. 9893576550
सचिन सेकेट्री – मो. 9893010003
सर्वेश सेकेट्री – मो. 9893068005
एक्टिव बैट्री प्रोडक्ट एण्ड
लब्धी ट्रेडिंग कम्पनी
समस्त प्रकार के इन्वर्टर, बेट्री, सोलर व मूनलाइट रिचार्जेबल टॉर्च एवं स्पेयर पार्ट्स के विक्रेता
एम.टी.एच. कम्पाउण्ड, मोदी टॉवर, शॉप नं. एम–6,7
आराम होटल के पास, इन्दौर (म.प्र.) 452 001
Email : active09abp@gmail.com

विश्वास के 38 वर्ष
इंदौर शहर का एकमात्र मल्टी ब्रांड शोरूम & डिस्ट्रीब्यूटर
NR
N R Kitchenware Pvt. Ltd.
kitchen redefined...
कुकर, मिक्सर, गैस स्टोव, कुकवेयर, क्राकरी,चिमनी, बाटी ओवन,क्लॉथ स्टेंड, लैडर,
बॉटल, फ़्लास्क, टिफ़िन मिलने का विश्वसनीय स्थान
शोरूम: 23,राम लक्ष्मण बाज़ार (M):9752341291
50,पागनिस पागा,पानी की टंकी के सामने (M):9111161291,इन्दौर (म.प्र)

रोहित केमिस्ट
रोहन केमिस्ट
साल्ट
विजय मेहता–91314 51505
दि लिटिल क्लोसेट

मे. विमलचंद धाकड़
॥ मंगलम् ॥
✲ दोहरें ✲ टेपस्ट्री ✲ टॉवेल्स ✲ ब्लेंकेट्स ✲ बेड शीट्स ✲ सेंचुरी कॉटन
✲ कर्टन क्लॉथ ✲ सोफा सीट बेक ✲ एक्सपोर्ट सरप्लस
✲ पिलो–कुशन कव्हर्स ✲ होटल, हॉस्पिटल ✲ बुटिक, टेंट सप्लाय
महावीर धाकड़
गिफ्ट / प्रभावना हेतु
अनेक आयटम उपलब्ध
58, एम.टी. क्लॉथ मार्केट, इन्दौर – फोन : 94253-21253

HIMANSHU JAIN
PIYUSH JAIN
Deals in Genuine Car
Air Conditioning Spare Parts
Aluminium, Radiators
Fan Assemblies, Intercooler
Mirrors, Gear Cable
Royal Auto
B-14, Alankar Point, Geeta Bhawan Square, A.B. Road, Indore 01
Ph. : 0731-7966681 I Mob. : 99935-67870, 90392-13234
E-mail : himanshu.royalauto@gmail.com

OSIYA
FURNISHING
Mahaveer Jain : 9424038727
Mihir Jain : 9777777356
LIVE COMFORTABLY, LIVE BEAUTIFULLY
A COMPLETE RANGE OF FURNISHING SOLUTIONS FOR YOUR HOME
149, Dravid Nagar, Ranjit Hanuman Road, Nakoda Palace, Indore (M.P.)
BETTER DESIGN, BETTER LIVING

Anil Tater
9425054390
Sunil Tater
9425314993
Sunil Dry Fruits
The Dry Fruit People
6, Jawahar Marg, Ug-5, Gupta Chamber, Siyaganj, Indore
(O) 2362558, 2365458 (R) 2400611

जैन प्रतीक

info.jainprateek@gmail.com
www.jainprateek.net
प्रकाशक
श्री जैन सेवा समिति श्वेताम्बर, इन्दौर

जैन प्रतीक सदस्यता

2026 से 2030
नवीनीकरण 600/–

प्रधान सम्पादक
• नरेन्द्रकुमार रांका
101, बोथरा इन्कलेव, अभय प्रशाल के सामने, आरसीएम टावर के सामने इंदौर मो. : **9926440311**

प्रबंध सम्पादक
• दिलीप जैन (सेकेट्री)
बैंक में रुपये भरकर सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
16/1, साऊथ तुकोगंज सृष्टि होस्टल के सामने, इन्द्रप्रस्थ टॉवर के पीछे,
मो. : 98935-76550

सह-सम्पादक
• नरेन्द्र सिंह बापना
मो. : 94253-48699

• महेश गोलेछा
मो. : 94252-34336
• प्रदीप चौरड़िया
(ई पेपर हेतु)
मो. : 9893333380
• कैलाशचन्द जिन्दानी
मो.: 94248-03033
• विशाल डागरिया
मो.: 98933 01040
• नरेश मेहता
मो.:98263-06201

समाचार-लेख आदि माह की 3 तारीख के पहले प्रधान संपादक को भेजें।

लेखक के विचार से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

प्रकाशन संबंधी विवाद का न्याय क्षेत्र इन्दौर है।

पर्यूषण पर्व पर सामान वितरण किया गया

श्री जैन सेवा समिति द्वारा चयनित परिवारों को पर्यूषण पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 1.9.26 एवं 2.9.26को सामान वितरण किया गया।

1 किलो शुद्ध घी	350 ग्राम चायपत्ती
2 किलो मूंग दाल	500 ग्राम पापड़
1 किलो मूंग मोगर	1 किलो पोहा
1 किलो चना	1 किलो सूजी
1 किलो चावल	500 ग्राम मिर्ची
1 किलो मूंग	250 ग्राम हल्दी
1किलो बेसन	200 ग्राम जीरा
2 किलो शक्कर	100 ग्राम जीरावन
1 किलो तुअरदाल	

तेल वितरण

श्री जैन सेवा समिति इन्दौर द्वारा चयनीत परिवारों को 5 लीटर तेल निःशुल्क दिया जाएगा।

दिनांक : 06.10.206 मंगलवार
एवं 07.10.2026 बुधवार
समय : सायं 7 बजे से 9 बजेतक
स्थान : समिति कार्यालय,
52 भगवान महावीर मार्ग इन्दौर
नोट : डायरी एवं थैली जरुर लावें।

अध्यक्ष	सचिव	मानवसेवा संयोजक
विमल नाहर	**नरेन्द्र डांगी**	**अशोक चोपड़ा**
9827029436	9425315821	9302100251

जैन प्रतीक सदस्यता नवीनीकरण

- सभी की सदस्यता जुलाई 2025 अंक के साथ समाप्त हो गई है।
- इस अंक से 600 रु. में सदस्यता 2026 से 2030 तक रहेगी।
- आजीवन सदस्य किसी को नही बनाया गया है।

A/c- जैन प्रतीक- Bank of India
R.N.T. Marg Indore
Acc. No 880510100011417
IFSC Code - BKID0008807
मे ट्रांसफर करें या →

Bank of India
JAIN PRATEEK
SCAN & PAY
boim-880565501417@boi

शिकायत हेतु- जैन प्रतीक के प्रत्येक अंक पर पीछे एड्रेस के साथ सदस्यता नंबर लिखा रहता है। उसका फोटो खींचकर दिलीप सेक्रेटरी मो. 9893576550 को वाट्सअप करे। कोई माह पेपर नही मिलता है तो ई-पेपर हेतु प्रदीप चौरड़िया (मो. 9893333380) से बात करें।तीन माह में एक बार कोरियर द्वारा भेजी जावेगी। हर बार शिकायत के साथ सदस्यता न. एवं एड्रेस भेजना जरुरी है।

जैन प्रतीक बार कोड द्वारा सदस्यता शुल्क जमा कर श्री दिलीप सेकेट्री को मो. 98935-76550 पर (वाट्सऐप करे) सूचित करें।

एजुकेशन लोन बिना ब्याज के

समिति द्वारा जैन समाज के आर्थिक रुप से कमजोर, मेधावी छात्रों को प्रोफेशनल, ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन हेतु एजुकेशन लोन। केवल इन्दौरवासियों के लिए है।

अध्यक्ष	सचिव	संयोजक
विमल नाहर	**नरेन्द्र डांगी**	**वीरेन्द्र नागदा**
9827029436	94253 15821	9424404142

बाल प्रतिभा एवं ज्ञानोतरी सम्मान समारोह

दिनांक : 04 अक्टूबर 2026 रविवार
समय : दोपहर 1.30 बजे
स्थानः महावीर बाग, एरोड्रम रोड़ इन्दौर
लाभार्थी : बाल प्रतिभा सम्मान श्री पारसजी धनपालजी डोसी एवं परिवार
ज्ञानोत्तरी प्रायोजक :
श्री मनोहरलाल जी मोहनदेवी जी जैन (सेमलिया तीर्थ)

श्री जैन सेवा समिति द्वारा संचालित गतिविधियाँ

▪ स्वधर्मी जरुरतमंद परिवारों को गेहूँ, चावल, दाल, तेल, मिठाई आदि विरण
▪ पुस्तक कोष योजना ▪ मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान, कार्यक्रम
▪ जैन प्रतीक (प्रकाशन), प्रतिदिन भोजन पैकेट वितरण योजना
▪ साधु-साध्वी वैयावच्च-कैंसर, किडनी, हार्ट सर्जरी सहायता ▪ छात्रवृत्ति - एज्युकेशन लोन।

जैन महाराज साहब की उपलब्धी फोबर्स दुनिया मैगजीन में

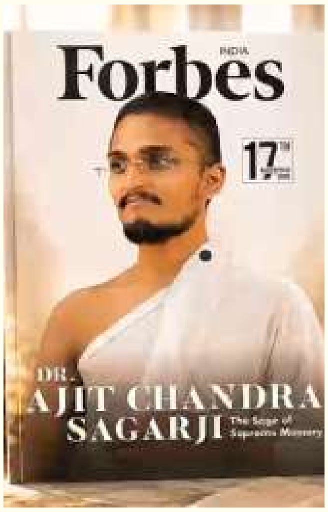

सहस्त्रावधान जैसी विलक्षण विद्या को पुनर्जीवित किया। आइए, फोर्ब्स के इस विशेष अंक को पढ़े और इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को अधिक से अधिक लोगों को पहुचाएं।

श्रीमती सरोज बहन भटेवरा (जैन)

सतत् 36 वे मासक्षमण की ओर अग्रसर आपकी कठिन तपस्या की हृदय से अनुमोदना आपके तप त्याग और संयम को कोटि-कोटि नमन। प्रभु महावीर से प्रार्थना है कि आपके जीवन में धर्म, शांति और आत्मा कल्याण की भावना निरंतर बढती रहे। हम आपके 29 वें उपवास की सुख साता पूछते हुए आपके तप की खूब खूब अनुमोदना करते है।

माता-पिता केवल जन्मदाता नहीं बल्कि धरती पर साक्षात् तीर्थ

इन्दौर। माता और पिता केवल जन्मदाता नहीं, बल्कि धरती पर साक्षात् तीर्थ है। तीर्थो की यात्रा करना पुण्य है, लेकिन माता-पिता की सेवा करना जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। उक्त विचार श्री सिद्धरत्न विजय जी ने केसरी वाटिका में चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। आपने कहा कि कभी भी रात्रि में भोजन का निर्माण नही करना चाहिए, क्योंकि शास्त्रों में इसे पाप का कारण बताया गया है। रात्रि में भोजन बनाने का दोष बनाने वाले एवं उसका सेवन करने वाले दोनो को लगता है। इस अवसर पर दादा गुरुदेव की 200 वीं जन्म शताब्दी की मनुहार पत्रिका विमोचन आचार्य श्री विजय नित्यसेनसूरीश्वर जी की पावन निश्रा में किया गया।

बीमार जानवरों एवं पक्षियों की सेवा के लिये एम्बुलेंस का उद्‌घाटन

मुंबई- भारतीय क्रिकेट टीम के एक गौरवशाली सदस्य और भारत की विजयी टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को पारसधाम, घाटकोपर, मुंबई में परम पूज्य गुरुदेव श्री नम्रमुनि जी मसा का आर्शीवाद और आध्यात्मिक मार्गदर्शन लेते हुए देखना वास्तव में एक दिव्य और यादगार क्षण था।

आत्म कल्याणउत्सव चातुर्मास

इन्दौर। रेसकोर्स श्री संघ में प.पू.गच्छाधीपति श्री विज्ञानप्रभसुरीश्वर जी म.सा. के पावन सान्निध्य में चातुर्मास दरमियान लाभार्थी श्री कन्हैयालाल जी मुणत परिवार द्वारा परमात्मा को आंगी अर्पण की गयी।

तेरापंथ-फेमिली मीट

केसिंगा (उड़ीसा)-स्थानीय तेरापंथ भवन, केसिंगा में 'तेरापंथ फैमिली मीट- उत्कर्ष 2026' का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन 'समन्वय'-संस्कार-संस्कृति' भावभूमि पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन उड़ीसा प्रांतीय तेरापंथी सभा एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, केसिंगा के तत्वाधान में, युगप्रधान आचार्य श्री महामश्रमण जी के विद्वान शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी एवं मुनि श्री हेंमत कुमार जी के पावन सान्निध्य में हुआ।

मासक्षमण पारणोत्सव

श्री घाटकोपर मुंबई जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक तपागच्छ संघ में। संयम जीवन के प्रथम वर्ष में ही मासक्षमण की महान तपस्या करने वाले तपस्वी मुनिराज श्री शिक्षासुंदर विजय जी म.सा. का पारणोत्सव।

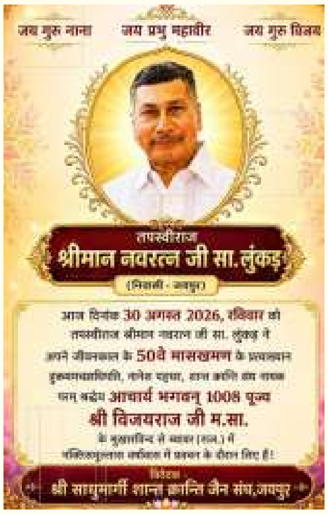

हमें 'चाह' होती है इसलिए हम दुखी होते है

राजनांदगांव ।हमारे जीवन में दुख इसलिये होता है कि हमें चाह होती है । यदि वाह ना हो तो फिर दुख किस बात का ।हमारी इच्छाएं अनंत है और हम परमात्मा की भक्ति छोड़ अपनी इच्छाओं की पूर्ति में ही लगे रहते है । श्री श्रेयांसप्रभ जी ।

इंदौर । धरती के भगवानों के विशेष सम्मान में तालियों से गूंज उठा सभागृह (चिकित्सकों का सम्मान)

शिक्षा को नई दिशा और नई सोच

इंदौर । शिक्षा ,समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे श्री अशोक कुमार सोजतिया, स्वर्णिम बुक ऑफ रिकार्ड्स सम्मान ।

मंदिर, गुरु, माला और तीर्थ को व्यापक बनाएं : मुनिश्री सुधासागर जी

इंदौर । आज हमारी मानसिकता यह हो गई हम मंदिर जाते समय, समय की सीमा तय कर लेते है, मंदिर से घर लौटने की जल्दी बनी रहती है । भगवान के दरबार में लौटने के लिये नही, बार-बार आने और आत्मकल्याण के लिये जाना चाहिए । तीर्थ वह स्थान है जहां से आत्मा को मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है । मंदिर, गुरु, माला और तीर्थ को सीमित नही, व्यापक बनाएं । ये विचार मुनि सुधासागर महाराज ने किला मैदान, दलालबाग में दिये ।

माँ की गोद से मिलते संस्कार मुनिश्री सुनील सागर

इंदौर । नेमी नगर में दिगंबर जैन सामाजिक संसद एवं महिला प्रकोष्ठ के महिला सम्मेलन में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया । आचार्य सुनीलसागर महाराज नें मातृशक्ति को संस्कारों की आधार शिला बताया । महाराज नें कहा सभी के जीवन की शुरुआत मां की गोद से हुई । मां ही बच्चे के संस्कार का निर्माण करती है ।

जो कुछ बाहर से इकट्ठा किया है, वह मैं नहीं हूँ

आशादीप चैरिटेबल ट्रस्ट में आयोजित पर्युषण व्याख्यान माला ।श्री स्वप्निल कोठारी ने कहा, ''जो कुछ भी हमने बाहर से इकट्ठा किया है-चाहे वह धन, संपति, पद, प्रतिष्ठा हो या फिर हमारे शरीर और मन से जुड़े विचार-वह वास्तव में 'मैं' (आत्मा) नहीं हूँ । भगवान महावीर का भेद विज्ञान और निर्जरा सिद्धांत ही हमें इस भ्रम से मुक्त कराकर हमारे वास्तविक स्वरूप और भीतर की ओर ले जाता है ।

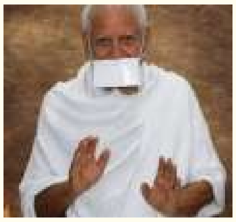

ध्यान योगी आत्मज्ञानी पू. गुरुदेव युग प्रधान आचार्य भगवन्त श्री शिवमुनिजी मा.सा. के 85 वें पावन जन्म दिवस पर बधाई वन्दन नमन ।

पद्मश्री डॉ. नेमीनाथ जैन लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

इंदौर । कृषि, उद्योग, अंतराष्ट्रीय व्यापार एवं उच्चशिक्षा के क्षेत्र में छह दशको से अधिक समय से उल्लेखनीय योगदान देने वाले 95 वर्षीय पद्म श्री डॉ.नेमनाथ जैन का उनके बहुआयामी एवं दीर्घकालीन योगदान के लिये लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया ।

उपवास के दिन क्रोध और गुस्सा क्यों

उपवास को महज भोजन से विराम ना माने । और ना ही सिर्फ धार्मिक उद्देश्य से करें । उसे आपके पाचनतंत्र संयम और इन्द्रियों पर नियंत्रण की परीक्षा ही माने । उपवास क दिन आप इन सब पर कितना धैर्य रख सकते है, यही सही मायनो में उपवास कहलायेगा । वर्ना आप स्वयं को खाली पेट रखकर कुछ हासिल नही कर रहे है । अगर उपवास के दिन आप बहुत क्रोध और चिड़चिड़ापन में व्यतीत करते है तो वो एक भूखे पेट रहने के अलावा कुछ नही होगा । शांत चित्त-मन से पूर्ण धार्मिक आस्था में उस दिन वाणी पर भी संयम रखकर (बिना गुस्सा और क्रोध) किये उपवास को सही अर्थों में संपूर्ण उपवास कहा जायेगा । - डॉ. संजय जैन

जिंदगी में कुछ भी हमेशा एक जैसा नहीं रहता । समय के साथ लोग, रिश्ते, परिस्थितियाँ और पल बदल जाते है । आज जो लोग हमारे साथ है, हो सकता है वें कल हमारे पास न हो । आज के साधारण पल भी एक दिन हमारी खूबसूरत यादें बन सकते है ।

दुर्ग में गच्छाधिपति आचार्य डॉ. श्री जिनचंद्रसूरिश्वर जी म.सा. के सानिध्य में 180 सिद्धितप एक मुनि भगवंत के साथ तप का ठाठ है यही जिनशासन जयवंता है ।

संवत्सरी पर गूंजा क्षमापान का संदेश, कुमुदलताजी ने बताया "आत्मशुद्धि का महत्व"

इन्दौर। साध्वी डॉ श्री कुमुदलता जी महाराज साहब के प्रवचन का विषय "क्षमापान एवं संवत्सरी का महत्व" रहा। उन्होंने संवत्सरी को आत्मावलोकन और आत्मशुद्धि का पर्व बताते हुए काह कि यह दिन पूरे वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अपराधों पर विचार करने, मन-वचन-काय से हुई भूलों के लिये क्षमा माँगने और दूसरों को क्षमा करने का अवसर प्रदान करता है। क्षमा केवल शब्द नहीं, बल्कि मन के भीतर से वैर और द्वेष को समाप्त करने की साधना है।

संवत्सरी के अवसर पर संघ एवं समाज के लिये उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों का श्रीसंघ की ओर से सम्मान एवं सत्कार किया गया।

नन्हे बच्चों ने संघ पदाधिकारियों और देवी-देवताओं के रूप में दी प्रस्तुति।

इस अवसर पर आगामी कालसर्प योग महामंगलकारी अनुष्ठान के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। यह अनुष्ठान 10 अक्टूबर 2026 को नरसिंह वाटिका, एयरपोर्ट रोड़, इंदौर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमान जिनेश्वर जी जैन ने किया।

एक गांव जहॉ 36 कौम रहती है, पर पूरा गाँव जैन है

दिल्ली से 120 किमी दूर हरियाणा के जिंद जिले के नरवाना तहसील में बीस-पच्चीस हजार की आबादी का एक जाट बहुल गाँव है, बड़ौदी, जहाँ जाट,राजपूत, कुम्हार, हरिजन, नाई, ब्राम्हण, मुसलमान आदि छत्तीस कौम रहती है, परंतु सबके सब जैन अनुयायी है। जनगणना में अपने को जैन लिखवाते है सब शाकाहारी है। गांव में माँस, मदिरा, अण्डा की एक भी दुकान नहीं है। हर घर के बाहर भगवान महावीर णमोकार मंत्र का चित्र लगा हुआ है, अधिकांश नियमित सामयिक व आष्टान्हिका करते है। करीब डेढ़ सौ वर्ष पूर्व संत मायाराम जी यही आए थे तबसे इस गांव में धर्म का अंकुर फूटा। जब संथ मायारामजी के अनुयायी है। अब तक इस गाँव में 44 जैन संत बन चुके है । मुसलमान तक शाकाहारी है और सामायिक करते है तथा जैन परंपरा का पालन करते है। गांव मुख्यत जाटों का है और मुख्य काम खेती है। यह गाँव जैन समाज के लिये एक आदर्श है एवं प्रेरणा है। जैन सिद्धांतो की प्रभावना के लिये हमें भी सबको शाकाहार और अहिंसा से जोड़ना चाहिए।

एक व्यक्ति था। अपने नाटेपन से बड़ा दुखी था। मैंने पूछा तुम्हारा दुख क्या है ? उसने अपना दुख बताया। मैंने कहा इस दुख में से सुख खो ले तो तेरा दुख जाता रहेगा। उसने कहा कैसे ? मैंने कहा :तू सोच ! दुनिया का कितना ही बड़ा आदमी हो वह मेरे सामने सिर झुकाकर बात करेगा और मैं उससे सिर उठाकर बात करूँगा। याद रखना : आदमी कद से नहीं, विचारों से बड़ा बनता है।

श्वेतांबर जैन मंदिर में औषधियों से प्रतिमाओं का शुद्धीकरण

कालापीपल मंडी । पर्युषण पर्व के प्रारंभ होने से पहले देशभर के करीब 2000 जैनमंदिरो में एक साथ शुद्धिकरण अभियान चलाया गया। इसी क्रम में कालापीपल के जैन श्वेतांबर मंदिर में भी समाजजनों ने मंदिर एवं उपाश्रय परिसर की विधिवत सफाई और शुद्धिकरण किया। पर्युषण पर्व इस वर्ष 8 सितंबर से प्रारंभ होंगे। राष्ट्रीय महासचिव नवरत्न परिवार यशवंत सांकला ने बताया कि यह आयोजन वर्ष 2011 से लगातार किया जा रहा है।प्रतिमाओं का शुद्धीकरण करते हुए जैन समाजजन।

मनुष्य जीवन दुर्लभ, इसे सार्थक बनाएं

इंदौर ।जीवन क्षणभंगुर है, जीवन का कोई भरोसा नही है, इसलिये समय को प्रमोद में नही बल्कि धर्म,आराधना और आत्मकल्याण में लगाना चाहिये। हमारा मनुष्य जीवन दुर्लभ, इसे सार्थक बनाए। उक्त बाते केशरी वाटिका एयरपोर्ट रोड़ में चल रहे श्री वृहतपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वेतांबर श्री संघ के चातुर्मासिक प्रवचन सिद्धरत्न विजय जी एवं विद्वरत्न विजय जी ने धर्मसभा में संबोधित रते हुए कही। साधु भगवंतो ने श्रद्धालुओं को समझाया कि जीवन क्षण प्रतिक्षण व्यतीत होता जा रहा है। मृत्यु निश्चित है, लेकिन वह किसी आहट या सूचना के साथ नही आती। व्यक्ति सोते, बैठते, चलते या व्यंग्य करते हुए भी संसार से विदा हो सकता है। इसलिये जीवन में उद्देश्य और परिपक्तवता को समझकर कार्य करना आवश्यक है। राजेश जैन युवा ने बताया कि आचार्य के दर्शन करने देशभर के समाजजन रोजाना इंदौर आ रहे है। धर्मसभा का लाभ बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ ले रहे है।

साध्वी प्रियमरसा श्रीजी नें शंखेश्वर पार्श्वनाथ और श्री कृष्ण का ऐतिहासिक संबंध और तीर्थ की महिमा से कराया परिचय

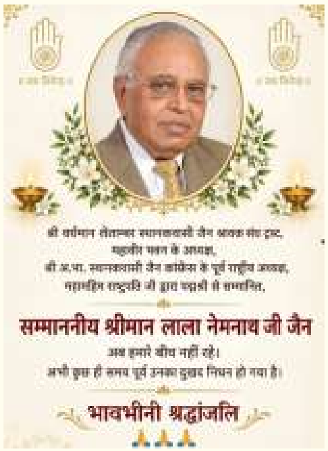

देवलोक गमन दिनांक 23.09.2026

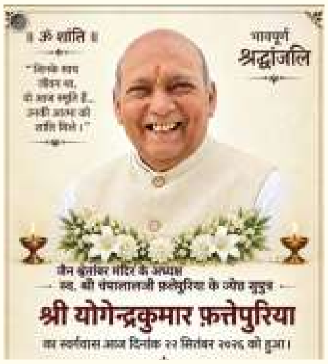

श्री चन्द्रकुमार फत्तेपुरीया दुग्गड़, रेस कोर्स, इंदौर श्री योगेन्द्र कुमार के बड़े भाई है।

हृदयपूर्वक की भूरी-भूरी अनुमोदना

बसंतदीप वाटिका, डोंबिवली की पवित्र धरती पर हमारे संघ के अति पूज्य मोहनी श्री दीपचंदभाई परिवार की ओर से श्री भद्रेशभाई, अश्विन भाई, मुकेश भाई और राकेश भाई ने रहने हेतु 50 फ्लैट की चाबियां 50 साधर्मी परिवार को सम्पूर्ण फर्नीचर के साथ अर्पणकर अनोखा कार्य किया।

मानव तो बन गए ध्यान रहे मानवता बनी रहें

रायपुर- विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में ज्ञान की गंगा बह रही है। प्रवचन माला में परम पूज्य मुनि श्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने मानव जीवन की दुर्लभता और मानवता बनाए रखने का संदेश दिया। मुनि श्री ने कहा कि मानव भव ने मानव बनकर जीना सबसे बड़ी चुनौति है। प्रमाद करते रहे तो यह दुर्लभ भव भी व्यर्थ चला जाएगा।

जैन प्रतीक का विमोचन

इन्दौर- जैन प्रतीक अगस्त अंक का विमोचन रेसकोर्स रोड़ पर आचार्य श्री विज्ञानप्रभसूरी जी की निश्रा में हुआ।

समाधान

समस्या दीवार नही समाधान का दरवाजा है। समस्या के बारे में सोचते रहेंगे तो उलझ जाएँगे। समाधान के बारे में चिंतन करेंगे तो रास्ता निकल आएगा।

मनुष्य जितना अधिक इच्छाओं के पीछे भागता है, उतना ही अशांत होता है

जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में साध्वी श्री रत्ननिधी ने कहा कि जैन धर्म मनुष्य को केवल बाहरी सुखों की ओर नही, बल्कि आत्मा की शुद्धि और आत्मकल्याण की ओर ले जाने का मार्ग दिखाता है। जीवन में सच्ची शांति तभी प्राप्त होती है, जब मनुष्य अपने भीतर के क्रोध,मान,माया और लोभ को कम करने का प्रयास करता है।

जगह बदलने से, घर बदलने से, गाड़ी बदलने से या भगवान बदलने से शांति नहीं मिलती, शांति तो सिर्फ अपना स्वभाव बदलने से ही मिलती है।

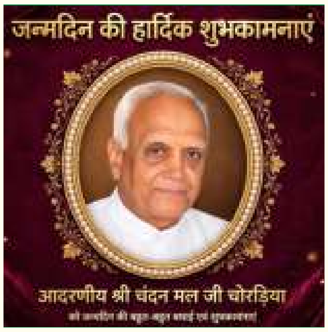

श्री जैन सेवा समिति के अध्यक्ष विमल नाहर दिग. मुनि परम पूज्य सुधासागर जी म.सा. से समिति के मानव सेवा कार्यों की चर्चा करते हुए। म.सा. ने जैन समाज के आर्थिक कमजोर परिवारों की सहायता करने की प्रशंसा की।

केसरी वाटिका में तपस्वियों का पारण एवं सम्मान का आयोजन दिलीप जी, सचिन जी सेकेट्री परिवार (कुक्षी) द्वारा किया गया।

गीता भवन ट्रस्ट को अस्पताल में मरीजों को भोजन हेतु चेक प्रदान।

नवकार महामंत्र आराधना के अष्टम दिवस 3 मासक्षमण तपस्व सहित 100 तपस्वियों को एक साथ करवाया गच्छाधिपति ने प्रत्याख्यान

इंदौर । द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास के अंतर्गत नवकार महामंत्र आराधना के अष्टम दिवस के अवसर पर केशर वाटिका में परमपूज्य आचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी महाराज एवं श्री विजय जी महाराज के सान्निध्य में धर्मसभा आयोजित हुई । गुरुदेव ने स्थापना कर भव्यगाथा का शुभारंभ किया । धर्मसभा में दगड़ू शाह के जीवन एवं परोपकरा का वर्णन करते हुए नवकार करे बेड़ा पार का संदेश दिया गया ।

राजेश जैन युवा ने बताया कि इंदौर चातुर्मास प्रवेश के पूर्व नवकारसी एवं भक्ति से जुड़े जयंतीलाल जी वैद्य के मासक्षमण तप की पूर्णाहुति गुरुदेव के समक्ष बहुली के साथ हुई । 68 जिनालय के निर्माता बाबूलाल जी भंवरलाल जी रतनपुरा बोहरा, ठाणे-मुंबई एवं ट्रस्टी उत्तमजी की उपस्थिति रही । वर्ष 2027 में 68 तीर्थ की प्रतिष्ठा तथा कुल 74 मंदिरो के निर्माण की जानकारी दी गई । सिद्धि तप में चोला में विराजित 54 तपस्वी भाई-बहनों की आराधना जारी है तथा 6 उपवास की तपस्या प्रारंभ हुई । गुरुराज श्री जयंतीलाल जी वेद एवं बालसाध्वी राजश्रीजी ने 31-31 उपवास पूर्ण किये, पूर्वी गुणा ` 25, निखिल इमलीवाल ने 17 एवं कल्पना अजित नांदेचा ने 11 उपवास किये । पूजा सतीशजी पटवा ने 31 एवं डॉ.पूजा जैन वैद्य नें 9 उपवास के पच्चखान लिए । लगभग 100 उग्र तपस्वी तपस्या कर रहे है । हीरालाल जी बाफना द्वारा बाबूलाल जी मुंबई, उत्तमजी मुकेश जी झाबुआ , राजेश जी जिला अध्यक्ष उज्जैन एवं विजय जी मेहता महासंघ अध्यक्ष इंदौर का बहुमान किया गया । दगड़ू शाह बनने पर हीरालाल जी बाफना का बहुमान धनराज जी संघवी ने किया ।

- जब थोड़ा मिला, तो खुश था,
- अब ज्यादा मिला, तो दुखी क्यों ?
- जो चाहिए था कल मुझे,
- आज मिला तो जरूरी क्यों ?
- कल के पीछे आज भागता हूँ,
- आज को कल पे टाल रहा ।
- जो हाथ में है, वो दिखता नहीं,
- जो दूर है, उसको माँग रहा ।
- साली, ये कैसी जिंदगी है ?
- जो मिले, वो कम लगे ।
- जो ना मिले वो याद आए,
- जो मिल जाए, वो गम लगे ।
- साली,ये कैसी जिंदगी है ?
- हँसी भी आधी, गम भी आधा ।
- जो मिला उसकी कदर नहीं,
- जो गया उसका दर्द ज्यादा ।
- जब नींद चाहिए थी, रात नहीं थी,
- अब वक्त है तो नींद नहीं ।
- जब भूख लगी तो खाना नहीं,
- अब खाना है तो भूख नहीं ।
- आज सब कुछ पास है मेरे,
- फिर भी दिल क्यों खाली है ?
- जिसे पाने में उम्र गुजारी,
- वो मिलकर भी क्यों परायी है ?

क्षमा-आत्मा की सबसे बड़ी शक्ति
क्षमा केवल किसी की गलती को माफ कर देना नहीं है, बल्कि अपने मन से क्रोध, द्वेष और अहंकार को दूर कर आत्मा को हल्का करना है । क्षमा वही कर सकता है, जिसके हृदय में सच्ची करूणा और आत्मबल हो - सुशीला डागरिया

रुपयो की जगह धार्मिक क्रियाएं करने का संकल्प बोली का आधार बना

रायपुर । भैरव सोसायटी स्थित विमलनाथ जी जैन मंदिर में जैन धर्म में पूजा की बोली का तरीका बदला दिखा । पहली बार पूजन अनुष्ठान के लिये रुपए की जगह धार्मिक क्रियाए करने का संकल्प बोली का आधार बना । दीप और पुष्पी पूजा का लाभ लेने वाले शाह परिवार ने एक साल में परिवार के साथ 1 लाख नवकार माला फेरने का संकल्प लिया । यानी औसतन रोज 270 से ज्यादा माला-जाप करना होगा । देव पुष्प सोनीगरा परिवार ने एक साल में 21 हजार माला फेरने की बोली लेकर लाभ लिया । नैवेद्य पूजा के लिये लोढ़ा और पारख परिवार ने एक साल में 1100 आयंबिल (इसमें 24 घंटे में एक बार बगैर तेल, घी व नमक वाला भोजन करते है । दिन में सिर्फ गर्म पानी पी सकते है) तप करने का संकल्प लिया । श्रीमाल परिवार नें 3500 सामायिक और सुरेश कानूगा परिवार नें 2100 एकासना (इस तप में दिन में केवल एक आसन में सिर्फ एक बार खाना खाते है । आसन से उठने के बाद सिवाए गर्म पानी के कुछ भी खा या पी नही सकते है ।) करने की बोली ली । हीरसुरी भवन में श्री नमस्कार महामंत्र अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ पहुंचे । आयोजन में 121000 से अधिक नक्कार मंत्रो का जाप हुआ । साध्वी सिद्धांत ज्योति श्रीजी ने नक्कार महामंत्र के प्रत्येक पद का महत्व बताया ।

पानी की बचत करें, क्योंकि आने वाला समय सोचने योग्य है । बारिश की कमी के कारण ।

कहा है: सौ काम छोड़कर भोजन करना चाहिए । हजार काम छोड़कर स्नान करना चाहिए । लाख काम छोड़कर दान देना चाहिए और करोड़ काम छोड़कर प्रभु स्मरण करना चाहिए लेकिन आज सब इसके उलट हो रहा है । आज लोगों का मानना है कि सौ काम छोड़कर खाओ । हजार काम छोड़कर सोओ । लाख काम छोड़कर कमाओ और करोड़ काम छोड़कर टी.वी. के सामने बैठ जाओ । जय हो पंचमकाल के भक्तों की ।

पहेलियाँ के उत्तर

1. क्षितिज, 2. कागज,
3. गुलाब जामुन, 4. तारा,
5. जूता

27 बाल मंडलो की भक्ति से गूंज रहा नवकार नगर

रायपुर । राजधानी नवकार नगर स्थित श्री मुनि सुव्रत स्वामी जिनालय एवं दादावाड़ी में 'दादा गुरुदेव एकतीसा भक्ति महोत्सव' आयोजित किया जा रहा है । मंदिर प्रतिष्ठा के बाद 11 दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को हुआ ।इस भक्ति यात्रा का मुख्य आकर्षण भिलाई-3,महासमुंद और रायपुर से आए 27 बाल मंडलो की गरिमामयी सहभागिता है । नन्हे बाल भक्तों की ऊर्जा और श्रद्धा से इस आयोजन को केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भक्ति का एक महाकुँभ बना दिया है । महोत्सव का मंगल शुभारंभ मुनि श्री संवेग रत्न सागर जी म.सा. की पावन निश्रा में संपन हुआ । मंत्रोच्चार और गुरु प्रतिमा की जीवंत आराधना के साथ उत्सव शुरु किया गया । इस दौरान चांदी की तोरण, अखंड ज्योत और प्रतिमा स्थापना जैसे अनुष्ठान पूर्ण किए गए ।

सामूहिक क्षमापना समारोह व सम्मेलन

इंदौर के समग्र जैन श्वेताम्बर देवसूर तपागच्छ श्री संघों में विराजित 81 गुरुभगवंतों की निश्रा में सभी संघों के व पुरुष/महिला/युवा/युवती मंडलों के ट्रस्टगण/पदाधिकारी/सदस्य आदि विराट संख्या में श्रावक-श्राविका गण की उपस्थिति में पीपली उपाश्रय इंदौर में सर्वप्रथम बार देवसूर तपागच्छ सामूहिक क्षमापना समारोह व सम्मेलन सानंद सम्पन्न हुआ ।

"तप शरीर से नहीं, मन की मजबूती से होता है"- आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा.

हैदराबाद-त्रयनगर स्थित श्री जिनकुशल दादावाड़ी के प्रांगण में परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा. ने चातुर्मासिक मंगलप्रवचन में मासक्षमण तप की आराधना कर रहे सभी तपस्वियों की अनुमोदना एवं अभिनंदन करते हुए तप की महिमा पर प्रकाश डाला ।

प्रातः सभी तपस्वियों का भव्य वर घोड़ा निकाला गया जो मुख्य मार्गो से होता हुआ प्रवचन सभा पहुँचा । गुरुदेव श्री ने कहा कि तप से कर्मो की निर्जरा होती है, यह कहना सरल है, लेकिन तपस्या करना खरा-खरी का काम है । तप का अर्थ केवल आहार का त्याग करना नहीं है । पाँच इंद्रियों और मन पर नियंत्रण स्थापित करना ही सच्ची तपश्चर्या है । "जो है, उसमें राग नहीं और जो नहीं है, उसकी याद नहीं-यही तपश्चर्या है ।"

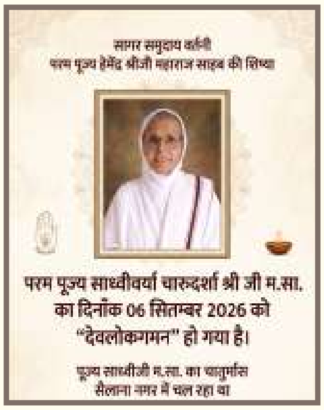

साँप के दाँत में, बिच्छु के डंक में, मधुमक्खी के सर में और मानव के मन में कितना विष भरा है, कोई नहीं जानता ।

परम पूज्य गणिवर्य
गणिवर्य श्री निर्मोहप्रभ विजय जी

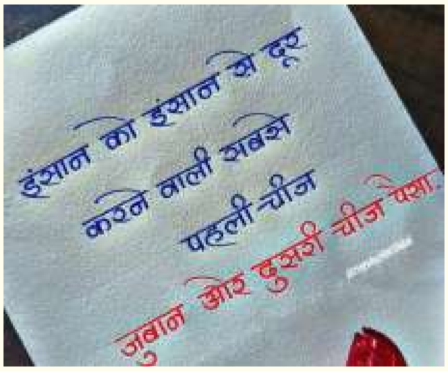

आज अहिंसक जीवनशैली ज्यादा जरूरी

इंदौर। पर्युषण पर्व के दूसरे दिन केसरी वाटिका में हुई धर्मसभा में आचार्य नित्यसेनसूरि महाराज ने कहा पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं आत्मा को उसके निज स्वरूप की ओर लौटाने का अवसर है। आज हिंसा,द्वेष जैसी समस्याओं के बीच अहिंसक जीवनशैलीकी जरूरत बढ़ गई है। प्रशमसेन विजय जी ने पर्युषण को पर्वाधिराज बताते हुए कहा खाने, पीने, चलने, बोलने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों में भी जीवदया और जयणा का ध्यान रखना धर्म की वास्तविक साधना है। राजेश जैन, नीरज सुराणा, धनराज संघवी भी मौजूद थे।

तरंग की लीला

एक कवि यात्रा करता हुआ नदी के किनारे पहुँचा। उसने देखा नदी के तट पर खड़े सारे वृक्ष धराशायी हो गए है। कवि को बहुत दुख हुआ। उसने नदी को संबोधित करते हुए कहा- नदी! तुमने यह क्या किया ? तुम्हारे तट पर खड़े ये हरे-भरे वृक्ष तुम्हारी शोभा थे। पथिक तुम्हारे जल से प्यास बुझाकर छायादार वृक्षो के तले अपनी थकान मिटाते थे। इनके रंग-बिरंगे फूल तुम्हारे जल को सुवासित करते थे। वृक्षों को उखाड़कर तुम श्रीहीन बन गई हो, आखिर तुम्हारा प्रयोजन क्या है ?

पथिक! तुम्हारा कथन सत्य है। ये वृक्ष मेरी शोभा और श्री थे। लेकिन क्या करूँ ? जब तरंग आई तब मैं बेभान हो गई, करणीय-अकरणीय का विवेक नहीं रहा।

तरंग नदी को बेभान कर देती है। मनुष्य के मन में काम, क्रोध और अहंकार की तरंग उठती है तब वह बेभान हो जाता है। अवांछनीय प्रवृत्तियां इसी तरंग की उपज है, जो मनुष्य को श्रीहीन बना देती है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी।

जीवन का आखिरी समय कैसे व्यतीत होगा इसका फैसला हमारा धन नही हमारे द्वारा किये गए व्यवहार और दिए गए संस्कार तय करेंगे।

जैसे फल और फूल किसी की प्रेरणा के बिना ही अपने समय पर वृक्षों में लग जाते है... उसी प्रकार किये हुए अच्छे और बुरे कर्म भी अपने आप जीवन में स्वतः फल देने आते रहते हैं।

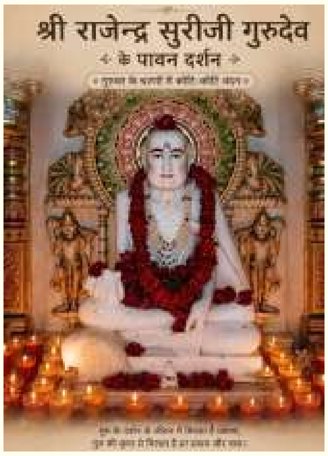

मुनिश्री पुलक सागर जी
भीलवाड़ा चातुर्मास 2026

कम उम्र में मास क्षमण

समय और मनुष्य जन्म एक बार चला गया, वह लौटकर नही आता ।

एक सेठ ने एक दिन अपने पुत्र को 100 रुपये दिये और कहा-''बेटा, बाजार जाओ और अच्छे फल लेकर आओ।''

पुत्र रुपये लेकर फल खरीदने निकल पड़ा। रास्ते में उसने देखा कि एक नटवा बहुत ही सुंदर और मनोरंजक नाटक दिखा रहा है। नाटक इतना रोचक था कि वह वहीं रुक गया। देखते-देखते वह नाटक में इतना खो गया कि उसे अपने पिता की आज्ञा और फल लाने का काम-सब कुछ भूल गया। नाटक समाप्त हुआ। नटवे ने सभी दर्शकों से पैसे माँगे। उस समय पुत्र को लगा कि नाटक देखकर उसे बहुत आनंद मिला है ,इसलिये उसने अपनी जेब में रखे पूरे 100 रुपये नटवे को दे दिए। पैसे देते ही अचानक उसे याद आया-''अरे ! मैं तो पिताजी के लिए फल लेने निकला था !''

वह दौड़ता हुआ फल वाले के पास पहुँचा, लेकिन वहाँ जाकर उसे अपनी गलती का एहसास हुआ-100 रुपये तो वह नाटक ही दे चुका था। बिना फल लिए वह उदास मन से घर लौट आया। पिता ने पूछा-''बेटा फल कहाँ है ?'' पुत्र ने सिर झुकाकर सारी बात बता दी।

पिता ने कहा-''मैंने तुम्हे फल लाने की लिये 100 रुपये दिये थे, लेकिन तुम रास्ते के तमाशे में ऐसे उलझ गए कि न रुपये बचे, न फल आए।''

यही हमारी जिंदगी की कहानी है.. उस सेठ के समान हमारे परमपिता परमात्मा है। उन्होने हमें अनमोल मनुष्य जन्म दिया है और इसके साथ एक निश्चित समय भी दिया है। हम इस संसार में उस बालक की तरह आते हैं-हाथ में जीवन रुपी अनमोल पूँजी लेकर। लेकिन रास्ते में संसार के न जाने कितने नाटक हमारा ध्यान खींच लेते है - धन, वैभव, मोह, माया,मान-सम्मान, इच्छाएँ, रिश्ते, दिखावा और सांसारिक आकर्षण...हम इन तमाशों में इतना खो जाते है कि हमें याद ही नही रहता कि हम यहाँ आए क्यों है। और फिर एक दिन जब जीवन का नाटक समाप्त होने लगता है, तब परमात्मा पूछते है- ''जो अनमोल मनुष्य जन्म और समय मैंने तुम्हे दिया था, उसका तुमने क्या किया ?''

तब हमारे पास शायद यह कहने के अलावा कुछ नही बचेगा-''प्रभु !संसार के तमाशे देखते-देखते समय निकल गया...मैं अपना जीवन सफल करने का फल ही नहीं ला पाया।'' इसलिये जब तक समय हमारे हाथ में है, संसार के नाटको में खोने के बजाय आत्मा के कल्याण का फल प्राप्त करें। स्वास्थय बिगड़ जाए तो सुधारा जा सकता है, लेकिन जो समय और मनुष्य जन्म एक बार चला गया, वह लौटकर नहीं आता। जीवन हमें तमाशा देखने के लिये नही, बल्कि आत्मा को परमात्मा तक पहुँचाने के लिये मिला है। आइए, आज स्वयं से एक प्रश्न करें- ''मैं अपने परमपिता के दिये हुए अनमोल समय से कौन-सा फल लेकर उनके पास लौटूँगा ?'' - पायल जैन

किसी की आत्म-सम्मान के साथ जीने में मदद करें

जब आप किसी को भोजन देते हैं, तो आप शायद एक दिन के लिये उनका पेट भरते है। लेकिन जब आप उन्हें कमाना सिखाते है तो आप उन्हें जीवन भर अपना पेट भरने की शक्ति और आत्मविश्वास देते है।

बाल मुनि का प्रथम लोच

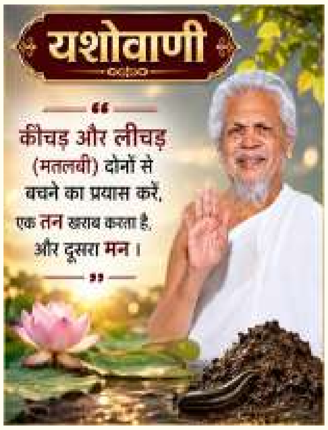

जैन प्रतीक सितम्बर 2026 प्रकाशक-श्री जैन सेवा समिति, श्वे. इन्दौर 86वाँ वर्ष (12)

आठ दिनी पर्युषण पर्व में क्षमा वाणी, तपस्वीयों

इंदौर । प्रभुभक्ति के आयोजन नरसिंह वाटिका, भगवान महावीर मार्ग,हाई लिंक सिटी,तिलकनगर, कंचनबाग, रेसकोर्स, वल्लभनगर, गुमाश्ता नगर, अनुराग नगर, केसरी वाटिका आदि जगह पर पर्युषण पर्व की धुम रही । भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर जन्म वाचन, पालन जी का जागरण का लाभ लिया गया । अभय प्रशाल में भी भव्य रूप से भक्ति का आयोजन हुआ ।

दादा आदिनाथ की आंगी सारथी बने भगवान महावीर । पीपली बाजार स्थित श्वेतमंदिर में दादा आदिनाथ भगवान की मनोहारी आंगी बनाई गई है । इसमें दादा आदिनाथ बैलगाड़ी में विराजित है ।और भगवान महावीर सारथी बनकर नगर भ्रमण कराते नजर आ रहे । हीरे, माणिक, धोती और दुर्लभ आभूषणों से सजी आंगी के साथ गर्भगृह का भी विशेष श्रृंगार किया गया ।

दीपों से जगमगाया मंदिर । पर्युषण पर्व के मौके पर रेसकोर्स रोड़ स्थित मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर रविवार को आस्था, भक्ति और श्रद्धा का केंद्र बना रहा । हजारों श्रद्धालुओ ने दर्शन किए । मंदिर में केसर-चंदन की सुगंध और चंपा, चमेली, गुलाब, गेंदा व रजनीगंधा के फूलो से महका । प्रभु पार्श्वनाथ की स्वर्ण और डायमंड से सुसज्जित विशेष आंगी ने दर्शनार्थियो का मन मोह लिया । शाम को हुए विशेष दीपोत्सव ने मंदिर परिसर की छटा और बढ़ा दी । हजारो दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा ।

का वरघोड़ा एवं भगवान महावीर जन्म का वाचन

भक्ति गीतों पर आरधना

हाई लिंक सिटी स्थित श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में जन्मवाचन महोत्सव मनाया गया । हजारो श्वेतांबर जैन समाजजन मौजूद रहे । श्रद्धालुओं ने एक दूसरे को जन्म कल्याणक की बधाई दी । आयोजन मातृ हृदया अमितगुणा श्री जी की प्रेरणा एवं महाराष्ट्र दीपिका यशप्रभाश्रीजी की शिष्या अरिहंत प्रभाश्रीजी की पावन निश्रा में श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट एवं श्री संघ द्वारा किया गया ।

इंदौर । जैन श्वेतांबर नाकोड़ा पार्श्वनाथ मंदिर गुमाश्ता नगर में पर्युषण पर्व के अवसर पर 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक मनाया गया । साध्वी मंडल के सान्निध्य में हुए आयोजन के दौरान सुबह पूजन के बाद धर्मसभा में प्रवचन हुए । छोटा बांगदड़ा धरणीधर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में सुबह 7 से शाम 4 बजे तक श्रद्धालु पहुँचे ।

अनेक साधु भगवंत को मार्गदर्शन देनेवाले वीर पिता श्री नवीनचन्द जी सावनसुखा का स्वर्गवास

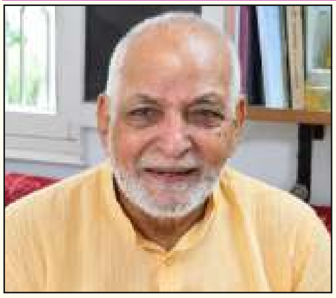

इन्दौर । मेरे पिताजी एवं स्व.नवलचन्द जी, धवलचन्द जी, स्व.श्रीपाल जी, विजय जी के अग्रज एवं नरेश, कमलेश, आनंद, संजय, अमर, दीपक, पंकज के बड़े पापा एवं चिराग, डॉ विभोर, उमंग,मनन, पार्थ, शाश्वत,लय, मानविक के बड़े दादासा श्रीमान नवीनचन्द जी सावनसुखा का देवलोकगमन 24 अगस्त सोमवार को हो गया है । आप वीर पिताजी है । आप के दो पुत्रियों ने दीक्षा ली है । साध्वी प.पू. श्री मणिप्रभा श्री जी म.सा की सुशिष्या मुदृला श्री जी मा.सा. एवं साध्वी श्री प.पू.हेमप्रभा श्री जी मा.सा. की सुशिष्या विनीतप्रज्ञा श्रीजी मा.सा. । आपने अनेक साधु-साध्वी भगवंत को पी.एच.डी, हेतु मार्गदर्शन किया । मनीष सावनसुखा, मधु स्व. जवाहर लाल जी बोहरा, मंजू अशोक जी सांखला, मृदुला शिरीष जी रांका,मीना राजेश जी सांखला ।

प.पू. मृदुला श्री जी म.सा. प.पू. डॉ. विनितप्रज्ञा श्री जी म.सा.
देवलोकगमन - 21 जून 2007

देहदानी श्री महेन्द्र जी सुराणा का स्वर्गवास

इन्दौर । हमारे भाई साहब एवं स्वर्गीय जयसिंह जी सुराणा के सुपुत्र, हेमेश (गोपाल) एवं बेला के पिताजी आनंद जी सकलेचा के ससुर जी हंसा जी के पति श्रीमान महेन्द्र जी सुराणा का देहावसान आज रविवार दिनांक 13/9/2026 को हो गया है । स्व. महेन्द्र जी जीवन यात्रा पूर्ण होने के पश्चात् परिजनों ने बहुत उत्कृष्ट कार्य नेत्र दान,त्वचा दान और देहदान । कहने और सुनने में बहुत सरल लगता है लेकिन जब यह निर्णय लेना हो तो बहुत कठिन होता है । अनेक संस्थाओं को नगद राशि एवं एक डाईलेसिस मशीन श्री महावीर डाईलिसिस सेन्टर को भेंट की गई । इस कार्य से हम सभी भी मन में इस तरह अंगदान का भाव रखे यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी । परिजनो के आभार, साधुवाद । शोकाकुल- सुराणा परिवार ।

गिरीश पावेचा
गौरव पावेचा
(O) : 2384349, 2491586
(M) 9826340091, 9179186548
पार्श्वनाथ टिम्बर कॉर्पोरेशन हाऊस सोल्युशन
टाइल्स ❋ मार्बल ❋ ग्रेनाइट ❋ टिम्बर प्लायवुड
दरवाजे ❋ चौखट ❋ सेनेटरी वेयर्स के होलसेल विक्रेता
500/3, जीएनटी मार्केट, धार रोड़, इन्दौर
155-ई.डी., स्कीम नं. 94, खजराना रिंग रोड़ चौराहा, इन्दौर

सुश्री शीला कटारिया

इन्दौर। सुश्री शीला कटारिया बेडमिंटन, तैराकी, शतरंज की उत्कृष्ट खिलाड़ी है। तैराकी में 6 वर्षो तक म.प्र. का प्रतिनिधित्व, हारमोनियम एवं सिटी (विसल) बजाने में निपुण है। वे श्री कैलाश संजना कटारिया की सुपुत्री है। 125 से अधिक पदक और ट्राफियाँ और प्रमाण पत्र अर्जित किए। समाज और परिवार को गौरवान्वित करने वाली खिलाड़ी है।

"चालाकियों से
काम जरूर चल जाते होंगे,
पर रिश्ते नहीं...!

नेत्र शिविर में 245 मरीज लाभान्वित

इंदौर। जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप सीनियर सिटीजन एवं चोईथराम नेत्रालय द्वारा नेत्र शिविर आयोजित किया गया। स्व. मिठालाल जी व जतन देवी रांका की स्मृति में आयोदित शिविर में 245 मरीजों का परीक्षण हुआ। अध्यक्ष सुरेश देशलहरा और संयोजक अनोखीलाल जैन ने बताया कि 24 मरीजों का मोतियाबिंद, ऑपरेशन चोईथराम अस्पताल में निःशुल्क किया जाएगा। साथ ही 120 जरुरतमंदो को रियायती दर पर चश्मे प्रदान किए गए। शिविर के मुख्य लाभार्थी महेन्द्र कुमार, सुनिता रांका एवं मनन, मुनमुन रांका थे

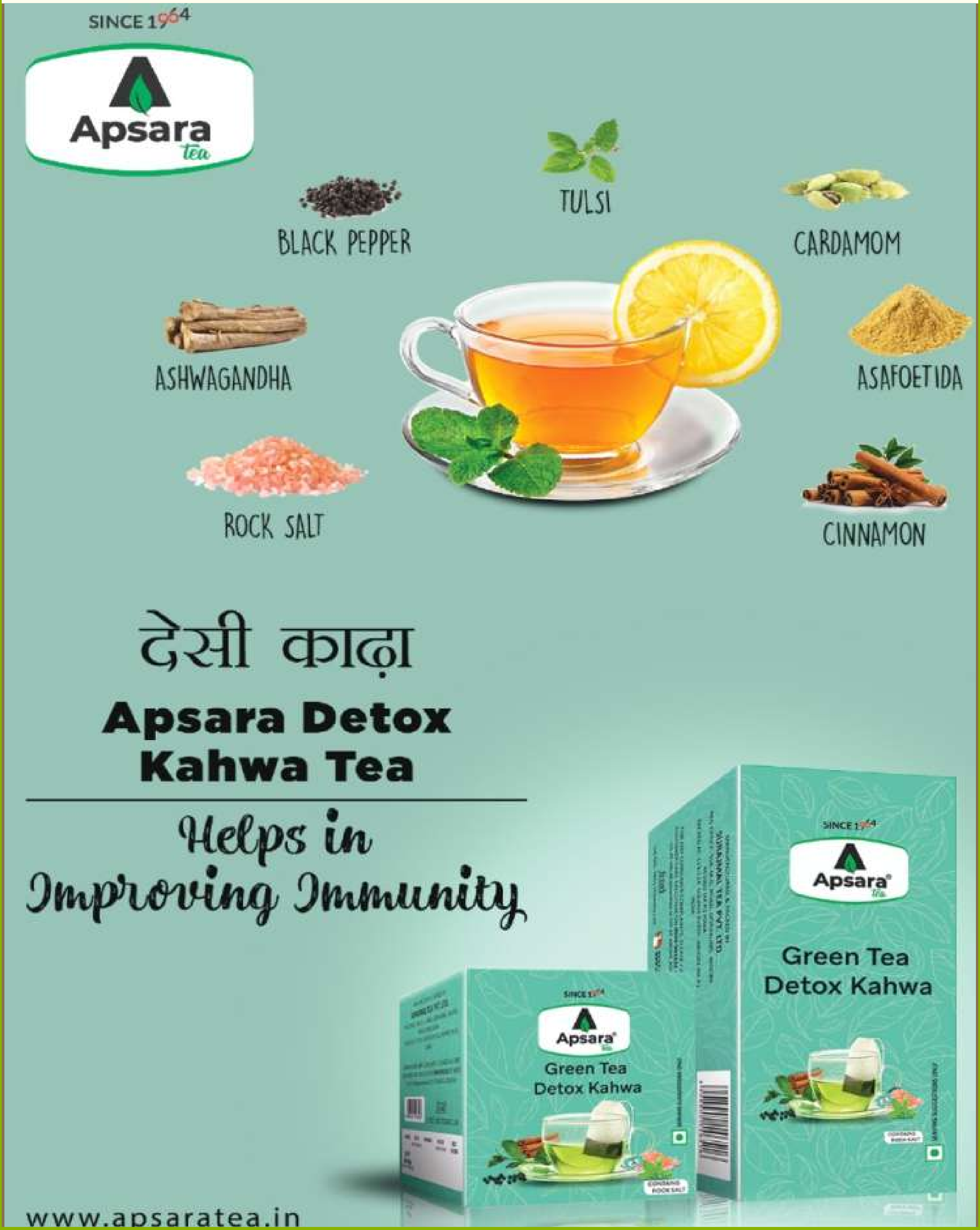
SINCE 1964
Apsara tea
BLACK PEPPER
TULSI
CARDAMOM
ASHWAGANDHA
ASAFOETIDA
ROCK SALT
CINNAMON
देसी काढ़ा
Apsara Detox Kahwa Tea
Helps in Improving Immunity
Apsara
Green Tea Detox Kahwa
www.apsaratea.in

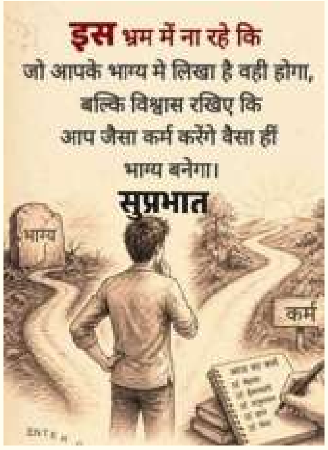

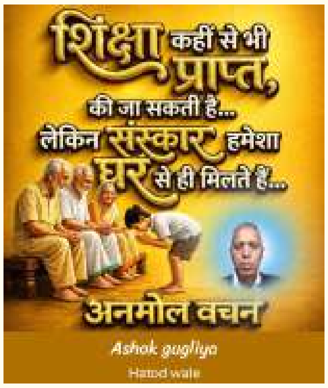

सरल रेखा की तरह नही है- जीवन की राह

डॉ. जयंतीलाल जी भंडारी

निश्चित रुप से हमारे जीवन की राह एक सीधी और सरल रेखा की तरह नहीं होती । अपने आसपास के लोगों के अनुभव और दुनियाभर की प्रमुख शोध रिर्पोट स्पष्ट करती है कि जीवन एक टेढ़ा-मेढ़ा मार्ग है । यह एक बहती हुई नदी की तरह है, जो पहाड़ो, पत्थरो और घाटियों से टकराते हुए परिस्थितियों के अनुसार अपनी दिशा बदलती है । जीवन में अनिश्चितता, संघर्ष, असफलताएँ और अप्रत्याशित संकट आना पूरी तरह स्वाभाविक है । असली चुनौति इन बाधाओं से भागने में नहीं, बल्कि सही मानसिक दृष्टिकोण और सटीक रणनीतियों के साथ इनका सामना करने में है और हालात से ूपर उठना ही कारगर मंत्र है ।

उल्लेखनीय है कि विश्व के कई अग्रणी विश्वविद्यालयों के मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि विकास और सफलता का ग्राफ कभी सीधा नही होता । हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, किसी भी प्रगति के दौरान उतार-चढ़ाव और झटके लगना स्वाभाविक है । ये झटके इंसान को पीछे धकेलने के लिये नही, बल्कि उसे नया दृष्टिकोण और मानसिक लचीलापन प्रदान करने के लिये आते है । स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 'लाइफ डिजाइन लैब' के निष्कर्ष बताते हैं कि बदलते समय के साथ खुद को ढ़ालने की क्षमता ही आधुनिक युग में सफलता की सबसे बड़ी पुंजी है । यही येल यूनिवर्सिटी के अध्ययन दर्शाते है कि जीवन की उथल-पुथल ही अक्सर बड़े और सकारात्मक परिवर्तनो का आधार बनती है ।

इसमे कोई दो मत नहीं है कि अधिकांश लोग अक्सर इस गलतफहमी में जीते है कि जब परिस्थितियाँ उनके अनुकूल होगी, तभी वे सुखी हो सकेंगे । वे चाहते हैं कि रास्ते में कोई बाधा न आए, लोग उनके अनुसार व्यवहार करें और भविष्य उनकी योजनाओं के मुताबिक चले । लेकिन जीवन इतना सरल नहीं होता । हमारे सामने ऐसी कई घटनाएँ आती है, जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नही होता- जैस दूसरो का व्यवहार, अचानक आई बीमारी, आर्थिक मंदी या करियर में रूकावट ।

हालाँकि इन तमाम प्रतिकूलताओं के बीच हमारे पास एक ऐसी शक्ति हमेशा मौजूद रहती है जिसे कोई परिस्थिति हमसे नही छीन सकती-और वह है, प्रतिकूल परिस्थितियों का मुकाबला करने का हमारा दृष्टिकोण ।

परिस्थिियाँ हमारी कहानी की पृष्ठभूमि तो लिख सकती है , लेकिन उस कहानी में हम किस तरहके विजेता बनते है , इसका चुनाव पूरी तरह हमारा अपना होता है । यह आत्ममंथन करना आवश्यक है कि परिणामों पर पूर्ण नियंत्रण की आशा करना जीवन की सबसे बड़ी भूल है । हम केवल अपनी मेहनत, नीयत और व्यवहार को नियंत्रित कर सकते है । जो हमारे वश मेंक है, उसे पूरी ईमानदारी से करें । जो हमारे वश में नही, उसे स्वीकार करना सीखें ।

याद रखें, जीवन के किसी एक अध्याय का खराब होना पूरी किताब का अंत नही है । जीवन एक ऐसी मैराथन है जहाँ जीतने के लिये सही दिशा, धैर्य और परिस्थितियों के अनुसार ढ़लने की क्षमता सबसे ज्यादा मायने रखती है ।इसलिये अपनी तय राह पर आगे बढ़ते रहें, और यदि रास्तें में चुनौतियाँ आएँ, तो पूरे हौसलें और वैज्ञानिक व मनोवैज्ञानिक तरीकों से उनका रणनीतिपूर्वक सामना करते हुए हालात से ऊपर उठने का हर संभव प्रयास करें ।

(लेखक देश के ख्यात शिक्षाविद् और अर्थशास्त्री है ।)

नवीनचंद सावनसुखा का देवलोकगमन

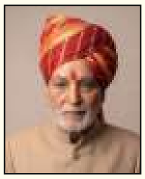

इन्दौर। मेरे पिताजी एवं स्व.नवलचन्द जी, धवलचन्द जी,स्व.श्रीपालजी, विजय जी के अग्रज एवं नरेश, कमलेश, आनंद,संजय,अमर,दीपक,पंकज के बड़े पापा नवीनचंद सावनसुखा का देवलोकगमन 24 अगस्त 2026 सोमवार को हो गया है। शोकाकुल-मनीष सावनसुखा एवं समस्त सावनसुखा परिवार ।

श्रीमति चन्दन बाला जी लुणावत का अरिहंतशरण

इंदौर ।मेरी धर्म पत्नि, स्व.सेठ चिमन लाल जी लुणावत बामनिया वालो की पुत्र वधु, स्व.सेठ झमकलालजी बड़नगर वालों की सुपुत्री, राकेश, डॉं रश्मि, ई.रुचि की मम्मी एवं सौ.कामना की सासुसी श्रीमति चन्दन बालाजी लुणावत का निधन दिनांक 23.8.2026 को हो गया है। शोकाकुल-श्रेणिक लुणावत

श्री अशोक जी सुराणा का स्वर्गवास

इन्दौर। जंबू जयंत के काका साहब, अर्चित अर्नव के छोटे दादाजी माला के पापा एवं राकेश जयपुर के ससुर जी श्री अशोक कुमार जी सुराना कालधर्म को प्राप्त हो गये। शोकाकुल-जंबू,जयंत, अर्नव, माला एवं राकेश।

श्री चांदमल जी संघवी का स्वर्गवास

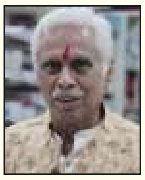

उज्जैन। स्व.श्री सौभागमलजी संघवी के सुपुत्र,स्व. श्री समरथमलजी, सुजानमलजी, स्व.श्री कनमलजी,एवं उमरावमल (इन्दौर) संघवी के बड़े भ्राता,उमरावल (तलगारा वाले), अमोलचंद, छोटेलाल, वर्धमान, दिलीप कुमार के बडे बड़े भ्राता तथा नरेन्द्र, सुनिल, प्रमोद, चेतन, प्रवीण, पंकज, विशाल के पूज्य पिताजी नेत्रदानी श्री चाँदमल जी संघवी का स्वर्गवास 22.8.206 को हो गया । शोकाकुल-संघवी परिवार।

श्रीमति स्नेहप्रभा ठाकुरिया का स्वर्गवास

इन्दौर। मेरी धर्मपत्नी एवं स्व.श्री मन्नालाल जी ठकुरिया की पुत्रवधू विक्रम, सुचिता एवं श्रद्धा की माताजी आदित्य एवं सोनाक्षी की दादीजी यश एवं अर्चिता की नानीजी विनिता, मंजू,सुनीता, अनीता, रुचिता एवं मीनल की काकी सा श्रीमति स्नेहप्रभा ठकुरिया का दुखद निधन 7.9.2026 को हो गया। शोकाकुल- एडवोकेट नरेन्द्र सिंह ठकुरिया।

श्रीमति प्रमिला कीमती का स्वर्गवास

इन्दौर। मेरी धर्मपत्नी, स्व.विमलचंद जी, स्व.सुरेशकुमार जी कीमती की बहूरानी, राजेश, महेन्द्र, मनोज, तरूण की काकी जी, अंकित, सलिल, पार्थ की दादी जी, विनीत की माताजी श्रीमति प्रमिलाजी कीमती का स्वर्गवास 14 सितम्बर को हो गया है। शोकाकुल- वीरेंद्रकुमार कीमति (कीमती साइकल हाऊस)

डॉं.सीमा जैन का स्वर्गवास

इन्दौर। स्व श्री उमारावमलजी भाई जी एवं हमारी पूत्रवधु वं शिखरखंद जी चतुरमोहता (बालाघाट) की सुपुत्री डॉं. उत्तम जैन की धर्मपत्नि एवं डॉं.उज्जवला, उन्नति, उर्वशी कीकी माताजी एवं रखबचन्द, तिलोकचंद की बहु डॉं.सीमाजैन का स्वर्गवास 28 अगस्त 2026 को हो गया। शोकाकुल-समस्त जैन परिवार।

महेन्द्र कुमार जी दासोत का स्वर्गवास

इन्दौर -हमारे बड़े भ्राता, स्वर्गीय अभय कुमार दासोत के पूज्य पिताजी, मनीष जी, पारस जी एवं आशीष जी चोपड़ा के ससुर जी, संगीता (सपना), कल्पना, प्रीति चोपड़ा के पूज्य पिताजी श्री महेन्द्र कुमार जी दासोत का आकस्मिक निधन दिनांक 1.9.26 को हो गया है। शोकाकुल- समस्त दासोत परिवार।

श्री चांदमल जी गादिया का स्वर्गवास

इन्दौर। हमारे पूज्य पिताजी वं जय,रुचि, गौरवी के दादाजी श्रीजय,श्रीधा के परदादा एवं श्री पार्श्वनाथ गौशाला के संस्थापक श्री चांदमल जी गादिया का स्वर्गवास 5-9-2026 को हो गया है। शोकाकुल-अजय जैन, अतुल जैन।

श्रीमति प्रेमलता जी डुंगरवाल का स्वर्गवास

इंदौर। स्व.आर.डी जैन साहब की धर्मपत्नी, स्व.प्रकाश जी, स्व.सुरेश, अशोक, दिलीप, नरेन्द्र, सुनिल, प्रदीप, किरण,विक्रम, देवेन्द्र, पुष्पेन्द्र की काकी सा,तेजमल मेहता, स्व.राजेन्द्र मेहता, सुरेन्द्र मेहता की बड़ी बहन,रितेश,प्रीतेश की बड़ी भुआसा श्रीमति प्रेमलता जैन का निधन 8 सितंबर को हो गया है। शोकाकुल- मृदुल, मंजुला, उषा, सुषमा,रुशी,शरद, भारत डूंगरवाल।

श्री अनील जी कुमठ का स्वर्गवास

इंदौर। मेरे एवं प्रियंका नाहटा के पिताजी एवं श्रीमति प्रो.उषा कुमठ के पति एवं संजय कुमठ (मुम्बई) के बड़े भाई व सोमिल जी के ससुर जी, सुरेन्द्र जी, पारस जी कुमठ के भतीजे श्री अनिल जी कुमठ सुपुत्र स्वर्गीय उमरावसिंहजी कुमठ का देहावसान शनिवार दिनांक 5-9-2026 को हो गया है। शोकाकुल- प्रियांशु कुमठ, प्रो.उषा कुमठ, संजय कुमठ

श्रीमति निर्मला देवी सकलेचा का स्वर्गवास

इन्दौर। हमारी माताजी सेठ स्व.श्री नाथूलाल जी सकलेचा (ममता रोड़ लाइन्स वाले) की धर्मपत्नी नेत्रदानी श्रीमति निर्मला देवी सकलेचा का देहावसान दि. 18 सितम्बर 2026 को हो गया है । शोकाकुल-दिलीप, दिनेश सकलेचा,ममता शांतु पालरेचा, ललिता शेखर गुगालिया, सुनीता संजय नपावलिया, अनीता संजय सोन, कानवन।

"सज्जनता एवं धर्म से ही सफलता की प्राप्ति संभव है ।"

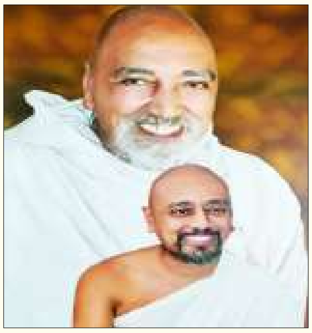
उपाध्याय प्रवर मुनि प.पू. श्री मनीष सागर जी म.सा.

'धर्म' वह उपयोगी साधन है, जो जीवन को निम्न पद से उठाकर उच्च पद पर प्रतिष्ठित करता है । यह उल्लेखनीय है कि 'धर्म' जीवन की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है किन्तु वर्तमान सन्दर्भ में धर्म के बारे में आम धारणा इस प्रकार है- धर्म आज एक व्यवसाय बन गया है, क्योंकि धर्म के नाम पर स्वार्थपूर्ति की साधना प्रमुख हो गई है।

वर्तमान में धर्म परंपरागत कर्मकाण्डों एवं रुढ़ियो तक सीमित हो गया है, इसका आध्यात्मिक पक्ष गौण हो गया है।

धर्म आज स्वर्ग के प्रलोभन और नरक के भय पर टिका हुआ है, जिसे आधुनिक समाज ढकोसला मान रहा है और धर्म के तात्कालिक लाभों को नहीं समझ कर धर्म से दूर हो रहा है इत्यादि।

वस्तुतः धर्म गलत नही है, धर्म तो व्यक्ति में मौजूद श्रेष्ठतम संभावनाओं को प्रकट करने का अमूल्य साधन है। मूल में व्यक्ति के द्वारा किए जाने वाले धार्मिक व्यवहारो में दोष है। इन्हें सुधारने के लिये प्रबन्धन की पद्धति को अपनाना होगा एवं निम्न प्रयत्न करने होंगे -

धर्म को भौतिक सम्पन्नता की दृष्टि से नहीं, अपितु नैतिक विकास के लिये अपनाना होगा । धर्म को कर्मकाण्ड के अन्धानुकरण से बचाकर आध्यात्मिक बनाना होगा । धर्म को स्वर्ग के प्रलोभन और नरक के भय से मुक्त कर इसका तात्कालिक लाभों को भी समझना होगा।

धर्म को केवल विश्वास के आधार पर नही बल्कि विज्ञान के आधार पर भी खड़ा करना होगा इत्यादि।

इस प्रकार धर्म जीवन-विकास का अभिन्न अंग है, किन्तु इसके प्रति व्यक्ति दृष्टि एवं आचरण में सकारात्मक परिवर्तन करने की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में स्वयं की भूलों एवं कमजोरियों को दूर करने से ही जीवन में सज्जनता एवं सफलता की प्राप्ति संभव है।

पावन प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्रदाता- प.पू. आचार्य आध्यात्म योगी श्री जिन महेन्द्र सागर सूरीश्वर जी म.सा. एवं प.पू. उपा.प्रवर मुनि श्री मनीषसागर जी म.सा. श्री विचक्षण जैन विद्यापीठ छ.ग.द्वारा पूर्णतः आनलाईन कोर्सेस व बच्चों की पाठशाला आदि सतत् चालू है। संपर्क सूत्र-9131715457, दादाबाड़ी रामबाग इन्दौर प्रति सोमवार व पूर्णिमा रात्रि 8 से 9 दादगुरुजी की भक्ति एवं प्रत्येक पूर्णिमा प्रातः 6.30 से 8.30 बजे दादागुरुजी इक्तीसा 31 बार।

जैन धर्म
1 जैन धर्म एक प्राचीन भारतीय धर्म है।
2 इसकी स्थापना भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) ने की।
3 जैन धर्म के 24 तीर्थंकर हुए।
24
4 पहले तीर्थंकर ऋषभदेव (आदिनाथ) थे।
5 अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर (599-527 ई.पू.) थे।
6 जैन धर्म के दो मुख्य संप्रदाय हैं - दिगंबर और श्वेतांबर।
7 जैन धर्म का प्रमुख ग्रंथ 'आगम' है।
आगम
8 जैन धर्म का मूल सिद्धांत है - अहिंसा परमो धर्मः।
9 जैन धर्म में कुल 5 महाव्रत (पंच महाव्रत) हैं।
5
10 पंच महाव्रत -
• अहिंसा
• सत्य
• अचौर्य
• ब्रह्मचर्य
• अपरिग्रह
11 जैन धर्म में सभी जीवों में आत्मा होती है।
12 कर्म सिद्धांत जैन धर्म की महत्वपूर्ण मान्यता है।
कर्म
13 मोक्ष प्राप्ति के लिए सम्यक दर्शन, ज्ञान और चरित्र आवश्यक हैं।
14 जैन धर्म में उपवास और तप का विशेष महत्व है।
15 पर्युषण पर्व जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है।
16 संवत 2550 (ई.पू.527) में महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई।
17 जैन धर्म में तीर्थयात्रा का विशेष महत्व है।
18 समेद शिखर (झारखंड) जैन धर्म का सबसे पवित्र तीर्थ है।
19 पालिताना (गुजरात) भी प्रसिद्ध जैन तीर्थ है।
20 जैन धर्म में शाकाहार को प्रोत्साहन दिया गया है।
21 जैन धर्म में व्यवसाय और वैश्य वर्ग का विशेष योगदान रहा है।
22 जैन धर्म मे शिक्षा, कला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
23 प्रसिद्ध जैन आचार्य- उमास्वामी, हेमचंद्र, कुंदकुंद आदि।
24 जैन प्रतिमा और मंदिर वास्तुकला अदभुत होती है।
25 दिलवाड़ा मंदिर (माउंट आबू, राजस्थान) जैन कला का श्रेष्ठ उदाहरण है।
26 जैन धर्म सहिष्णुता, शांति और विश्व भाईचारे का संदेश देता है।
27 'जीवो और जीने दो' जैन धर्म का सुंदर संदेश है।
28 जैन मुनि सफेद या दिगंबर वेश में संयम का जीवन जीते है।
29 जैन धर्म हमें आत्मसंयम, दया, सत्य और त्याग की सीख देता है।
30 जैन धर्म भारतीय संस्कृति की प्राचीन और महान धरोहर है।
जय जिनेन्द्र
मुख्य संदेश – अहिंसा, आत्मसंयम और करुणा ही जैन धर्म की पहचान है।

पानी से आयुर्वेदिक इलाज के 10 तरीके

1. उपोदकपान (सुबह का गर्म पानी) सुबह उठकर खाली पेट एक से दो गिलास गुनगुना पानी पीने से पेट साफ होता है और पाचन अग्नि तेज होती है।

2.उबला हुआ जल (आरोग्याम्बु)-पानी को 10 से 15 मिनट उबालकर आधा या एक चौथाई रहनें दे। इसे पीने से कफ, सर्दी, बुखार और पाचन संबंधी रोग ठीक होते है।

3.जल नेति क्रिया-गुनगुने और हल्के नमकीन पानी से नाक के रास्ते की गई सफाई (नेति) साइनस, जुकाम और एलर्जी को दूर करती है।

4.कुनकुने पानी से गरारे- गले में खराश या टॉन्सिल होने पर नमक वाले गर्म पानी से गरारे करने से तुरंत राहत मिलती है।

5.ठंडी पट्टी (कोल्ड कंप्रेस)- सिरदर्द या तेज बुखार होने पर माथे पर ठंडे पानी की गीली पट्टी रखने से शरीर की अतिरिक्त गर्मी शांत होती है।

6.कंट्रास्ट बाथ (गर्म और ठंडे सेक)- मांसपेशियों या जोड़ो के दर्द में 3 मिनट गर्म पानी की पट्टी और फिर 2 मिनट ठंडे पानी की पट्टी रखने से रक्त संचार सुधरता है।

7.पाद स्नान (नमक वाले पानी में पैर रखना)-बाल्टी में गुनगुना पानी और थोड़ा नमक डालकर पैर डुबोकर बैठने से पैरों की थकान, सूजन और सिरदर्द कम होता है।

8.हर्बल भाप- तुलसी या यूकेलिप्टस के पत्तो को पानी में उबालकर उसकी भाप को लेने से बंद नाक और जकड़े हुए फेफड़े खुल जाते है।

9.भोजन के साथ पानी- आयुर्वेद के अनुसार भोजन से 30 मिनट पहले या 45 मिनट बाद घूंट घूंट करके गुनगुना पानी ही पिएं।

10. उदर स्नान (पेट पर)-पेट में जलन या कब्ज होने पर ठंडे पानी में भीगा हुआ कपड़ा रखने से पाचनतंत्र मजबूत होता है।

जल का सही उपयोग करे और रोगों से दूर रहे।

बंधन से शिखर तक पहुँचने का मार्ग है मनन, चिंतन और मंथन : साध्वी मंजुलाश्रीजी

रायपुर-आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास 2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशल जैन दादावाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुला श्रीजी मा.सा. ने कही।

अगर विक्स की गोली से खिचखिच दूर हो सकती है तो मीठी बोली से किचकिच भी दूर हो सकती है।

भुना चना और गुड़ खाने के लाभ

शरीर को ऊर्जा और ताकत देता है।
खून बढ़ाने में सहायक, एनीमिया में लाभदायक।
पाचनतंत्र को मजबूत करता है और कब्ज दूर करता है।
वजन बढ़ाने में सहायक, खासकर कमजोर लोगो के लिये।
इम्युनिटी बढ़ाता है और रोगो से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।
मानसिक तनाव कम करता है और दिमाग को शांत रखता है।
हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

सीनियर सिटिजन को चुस्त दुरुस्त रहने की मुफ्त दवा

1. रात में 10 बजे से पहले सोना दवा है।
2. प्रकृति में टहलना दवा है।
3. खाली पेट 600 एम.एल पानी पीना दवा है।
4. हर दिन भगवान को याद करना दवा है।
5. नशीले उत्पाद का सेवन न करना दवा है।
6. प्रतिदिन एक्सरसाइज करना दवा है।
7. नकारात्मक लोगों से दूर रहना दवा है।
8. हर दिन 5 मिनट गहरी साँस लेना दवा है।
9. सुबह की 20 मिनट की धूप लेना दवा है।
10. प्रतिदिन 8 घंटे की नींद लेना दवा है।
11. हर दिन आभार व्यक्त करना दवा है।
12. रोजाना 10 मिनट ध्यान करना दवा है।
13. धीरे-धीरे चबाकर खाना दवा है।
14. मोबाइल के प्रयोग को कम करना दवा है।

सत्ता और भ्रष्टाचार का करीबी रिश्ता है। कोई सत्ता में हो और भ्रष्टाचारी न हो यह तो वैसा ही है जैसे कोई रोए और आँसू न आए। कोई सोए और सपना न आए- यह तो संभव है मगर कोई सत्ता में हो और भ्रष्टाचारी न हो यह संभव नही है। सत्ता तो काजल की कोठरी है, जिसमें जाने पर दाग लगता ही है। थोड़े से लोग होते है जो बेदाग निकल पाते है। उन बेदागियो को प्रणाम करो क्योंकि ये देश उन्ही लोगों की वजह से अपने वजूद पर टिका हुआ है।

'मुसीबत' और 'खुशी' बिना किसी अपॉइंटमेंट के आ जाती है..इसलिये अपने आप को इतना तैयार रखे कि...मुसीबत के समय 'होश' और खुशी के समय 'जोश' कायम रहें।

कल शीशा था, सब देख देखकर जाते थे, आज टूट गया तो सब बच बचकर जाते है ये वक्त है जनाब दिन सबके आते है।

पहेलियाँ

1. दूर-दूर से मिलते देखा,
   लेकिन था नजरो का धोखा।
2. अन्त कटे कौआ बन जाए,
   प्रथम कटे दूरी का माप।
   मध्य कटे तो कार्य बने,
   तीन अक्षर का उसका नाम।
3. ऐसा शब्द लिखिये जिससे,
   फूल,मिठाई, फल बन जाये।
4. दिन में एक नही,रात हजार,
   रात भर चमके, काला बाजार।
5. थल में पकड़े पैर तुम्हारे,
   जल में पकड़े हाथ,
   मुर्दा होकर भी रहता है,
   जिन्दो के साथ।

(उत्तर अन्य पेज पर)

फ्रूट से ड्राई फ्रूट हमेशा महंगे होते है

क्योंकि वक्त की धूप में पकी हुई चीज वाकई कीमती होती है तभी तो अंगूर से कीमती किशमिश होती है। ड्राईफ्रूट ऐसे फल होते है जो वरिष्ठ नागरिक बन चुके होते है, इसलिये कभी भी वरिष्ठ नागरिको को नजर अंदाज न करे ना ही कभी कम आंकने का प्रयास करे। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की शुभकामना एवं बड़े बुजुर्गो को चरण स्पर्श।

मैं उस देश में जन्म लूं जहाँ मुझे सत्कर्म करने का अवसर मिले।

बुढ़ापा देने के पीछे प्रभु का उद्देश्य

यह लेख ऐसा है कि पढ़कर आँखे नम हो जाएँ..

सारांशः एक बार इंसान ने भगवान से पूछा-"अगर आप चाहें तो इंसान को हमेशा जवान और जवान ही रख सकते है, है ना ?

तब भगवान मुस्कुराकर बोलेः1. आँखो की रोशनी कम कर दी-ताकि उसे इस खूबसूरत दुनिया का मोह कम हो जाए।

2.शरीर पर झुर्रियाँ डाल दी, ताकि उसे अपनी सुंदरता का मोह न रहे।

3.पैरों की चलने की ताकत कम कर दी ताकि उसे घूमने-फिरने का मोह न रहें।

4.कानो को कमजोर कर दिया,ताकि दूसरों की बातें सुनने का मोह कम हो जाए।

5.बिस्तर पर रहने के लिये मजबूर कर दिया-ताकि जीवन से मोह धीरे-धीरे कम हो जाए।

और फिर भगवान ने कहा-"अगर इंसान बूढ़ा ही न होता, तो क्या वह इस खूबसूरत दुनिया का मोह छोड़कर मृत्यु को सहजता से स्वीकार कर पाता ?" जवानी में मृत्यु हो जाए तो परिवारो को वर्षो तक दुख रहता है। लेकिन बुढ़ापे में मृत्यु आए तो लोग उसे सहजता से स्वीकार कर लेते है और कुछ दिनो बाद जीवन सामान्य हो जात है। इसीलिए भगवान ने इंसान के मोह को धीरे-धीरे कम करने के लिये बुढ़ापा बनाया।

भावार्थः बुढ़ापा कोई अभिशाप नही।भगवान की कृपा है। यह धीरे धीरे हमें दुनिया के मोह से मुक्त करता है, ताकि हम शांति और स्वीकार भाव के साथ जीवन के अंतिम पड़ाव को जी सकें।"बस भगवान ने इंसान को इस मोह से मुक्त करने के लिये बुढ़ापा बनाया।" दोस्तो बहुत ही गहरा भावपूर्ण संदेश है।

बदलता हुआ "दौर" है जनाब..पहले "आयु" में बड़े का सम्मान होता था, अब "आय" में बड़े का सम्मान होता है !!!

सफलता की यात्रा में धुप का बहुत बड़ा महत्व है। क्योंकि छाव मिलते ही कदम रुकने लगते है। जिंदगी में जब कुछ बड़ा मिल जाए तो छोटी चीजो को कभी मत भूलना।

क्योंकि जहां सुई का काम हो वहां तलवार काम नहीं करती।

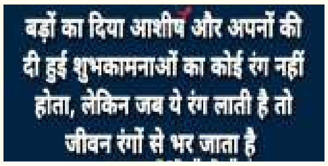

तुम औरत हो, गर्व करो - खुद पर

गर्व करो खुद पे
थोड़ा सा मुस्कुरा लो
कुदरत का नहीं कोई
दूसरी रचना तुम सी
ये सोच के थोड़ा सा इतरा लो !
तुम !! हो तो थाली
में गरम रोटी है ।
तुम !!हो तो घर में
हर प्राब्लम छोटी है !
तुम हो तो घर में
पूजा है, त्यौहार है !
तुमसे ही तो घर!
घर है वरना चार
दीवार है !
तुमसे ही रसोई में
खाने की महक है !
तुमसे ही तो घर में
रौनक है, चहक है !
तुमसे पूजा
की थाली !
तुमसे संजा !
तुमसे दीवाली !
तुमसे ही होली के
रंग सारे रंगीन है !
तुमसे ही घर के
सारे रिश्ते हसीन है !
तुम हो तो राखी
पे भाई बहन का
प्यार है !
तुम से ही मुरब्बा
तुम हो तो अचार है !
तुम होतो हर शाम
दरवाजा खुला है
इंतजार में !
तुम चेहरे की
मुस्कुराहट, तुम ही
हो संस्कार में !
तुमसे ही तो रिश्ते
सारे और सारे
रिश्तेदार है !
तुमसे ही तो सब
घर आने को बेकरार है !
दिनभर रखती हो
ख्याल सभी का !
फिर भी ताने मिलते है
करती क्या हो घर में
दिनभर,
यही फसाने मिलते है !!
अब मत सोचो
क्या कहेगा कोई !
क्या होगा अब
इसके आगे !
अपनी जिंदगी खुद
भी जीलो,
कब तक दूसरों
के लिये भागे !
तुम कुदरत की
अनुपम रचना !
अब ना किसी से
कभी भी डरना !!
संस्कारो को नहीं भूलना,
लज्जा का दामन कसकर
पकड़ना !
फिर जीना तुम
अपने खातिर !
खुद से ही तुम
मोहब्बत करना !!
सोचो !!
तुम क्या हो !
सोच के थोड़ा शरमा लो !
तुम औरत हो !
गर्व करो खुद पे
थोड़ा सा इतरा लो !

- राजेश शर्मा

स्पर्श चिकित्सा
Nerve Therapy

भरत गाँधी
94250-67466

सुरेन्द्र गाँधी
94253-49077

4, अनुराग नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे, रेनेसा कॉलेज के पास, ए.बी. रोड, इन्दौर
समय – प्रातः 9 से 12, सायं 5 से 8

19/3, नार्थ राजमोहल्ला, गार्डन के सामने, इन्दौर-452 002 (म.प्र.)
समय – प्रातः 11 से 1:30

- सर्वाइकल
- स्लिप डिस्क
- घुटने में गैप का कम होना, सोजन
- गर्दन एवं कमर में नस का दबना सुन्नपन
- हाथ एवं पैरों में झुनझुनी, ताकत कम
- बेल्स पाल्सी अथवा फेशियल पाल्सी
- माइग्रेन अथवा सर दर्द
- फूट एवं एंकल पेन
- चक्कर आना अथवा वरटाईगो
- फ्रोजन शोल्डर
- टेनिस एल्बो
- घुटने में लिगामेंट इंजुरी
- मांसपेशियों से संबंधित
- गैस एसीडीटी, भूख न लगना

बिना दवाई के ईलाज किया जाता है। शरीर के सारे दर्द ठीक किये जाते हैं।

MALWA FOODS
MALWA Pure Ghee / Milk Powder
Manufacturer & Packer of Malwa Pure Ghee & Milk Powder
Available in : 1 Ltr., 500 ml., 15 kg. Tin, 5 Ltr. Tin Refill & Jar
CHAGANRAJ HUNDIA, DINESH HUNDIA, SATISH HUNDIA
17/1, Baba Balmukund Bhawan, Siyaganj, Indore | Ph. : 0731-2547037, 4979456
Mob. : 98272-21461, 7828046277 | Email : gheemalwa@gmail.com

अमृत शाह एण्ड एसोसिएट्स
प्रॉपर्टी ब्रोकर्स
रहवासी ❊ प्लॉट ❊ फ्लेट्स ❊ रो हाउस ❊ बंगलो ❊ टेरेस फ्लेट ❊ पेन्ट हाउस ❊ कमर्शियल प्लॉट ❊ दुकान ❊ शोरुम ❊ ऑफिस ❊ शेड ❊ गोडाउन ❊ इण्डस्ट्रियल ❊ जमीन प्लॉट ❊ रोड फेक्ट्री ❊ मशीनरी ❊ इण्डस्ट्रियल यूनिट
खरीदना ❊ बेचना ❊ किराये पर लेने-देने हेतु सम्पर्क करें।
जी-1, रुचि अपार्टमेन्ट, 108/47, न्यू अग्रवाल नगर, इन्दौर 452 001
फोन : 0731-2464464, 4284545, 09302504646, 09425055036

Pure Veg
Aieroc®
Café & Banquets
*Jain Food Available For Banquet Parties
*Jain Food By KILO Home Delivery Available
*Capacity 25-125 Pax
Call-73599-42222
Lunch, High Tea & Dinner Packages Available.
Add:- Aieroc Café, Scheme No-140, Behind Kerala Bakery, Indore

Ajay Bhandari 9425903531
Aaveg Bhandari 9826090899
Bhandari Fabricators
Don't compromise - customize
Expertise In :
- Corporate Furniture
- Hospital Furniture
- Residential Furniture
- School Furniture

89/1, Snehlataganj, Indore 452 003, Email : bhandari.fabricators@gmail.com

|| श्री केशरियानाथाय नमः || श्री दादा जिनदत्त मणिधारी कुशलसूरी गुरुभ्यो नमः ||

Excellence of 34 Years
निलेश बापना
94253-22032

Excellence of 24 Years
निधि बापना
98260-21458

आर्थिक हानि एवं मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाईये
त्वरित सेवा, तुरन्त दावा निपटारा की सुविधा पाईये

A journey of thousand miles begins with a single step

Excellence of 5 Years
NAYAN BAPNA
97559-70421

LIC | HDFC ERGO Take it easy! | ADITYA BIRLA CAPITAL LIFE INSURANCE | TATA AIG INSURANCE | युनाइटेड इंडिया UNITED INDIA

बीमा सम्बंधित त्वरित सेवाएँ
LIFE | HEALTH | MOTOR | HOME | TRAVEL | FIRE

MUTUAL FUND DISTRIBUTOR
- Compounding Benefits
- Investment Growth
- Long-Term Stability
- Transparency
- Quick & Hassle-Free Claims
- Personalized Solutions

बापना इन्श्योरेंस एण्ड क्लेम कंसलटेंट *We Cover Your Entire Risk*

1st Floor, 66 Jawahar Marg, Nandlalpura Squre, Indore | Ph.: 0731-4675004 | Email : nidhibapna24@gmail.com

झटपट तैयार
स्वाद मज़ेदार

पुष्पक® मसाले

सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध

निर्माता : श्री रत्नराज गृह उद्योग
Contact Number : 9425066344

चिकित्सा विज्ञान की आधुनिक सेवाओ सहित, हृदय रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्राल, अस्थमा, टी.बी., गठिया एवम बुखार की उन्नत चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वकांक्षी केन्द्र

सोनी मेडिकल सेन्टर

16/1, साउथ तुकोगंज (समवशरण जैन मंदिर के पास), इन्दौर
फोन- 2512177, 2512977

सुविधायें:-

- कम्प्यूटराइज्ड ट्रेड मिल टेस्ट - एन्जाइना एवम् हृदय रोग निदान
- इकोकार्डियोग्राफी - हृदय क्षमता परीक्षण एवम् वाल्व संबंधित रोगों की जानकारी।
- कलर डापलर - हृदय के वाल्व, जन्म के हृदय विकार, एवम् खून की नलियों की बीमार का निदान।
- इ.सी.जी. एवम् होल्डर मॉनीटर - 24 घंटे सतत हृदयगति की जानकारी (दैनिक दिनचर्या के दौरान)
- सोनोग्राफी - पेट की बीमारियों का निदान
- पेथालाजी एवं एक्सरे - समस्त प्रकार के रक्त परीक्षण एवं एक्स-रे जाँच
- स्पायरोमेट्री - फेफड़े, श्वांस क्रिया एवम् अस्थमा की जाँच
- हेल्थ चेक अप - उपरोक्त सभी उन्नत एवम् आधुनिक उपकरणों द्वारा किफायती हेल्थ चेकअप पैकेज।

डॉ. बसन्त लूनिया एम.डी. (मेडिसिन) कन्सल्टिंग फिजिशियन
हृदय एवम् पेट रोग विशेषज्ञ

श्री नाकोड़ा साड़ी सदन

डिजाइनर, लंहगा-चुन्नी एवं फेन्सी साड़िया

9, शेखावत मार्केट, सीतलामाता बाजार, इन्दौर - फोन 2459783-84, (R) 2542422

सिर्फ 1 मसाला और
पनीर तैयार
शाही पनीर मसाला

PUSHP BRAND
Quick® Fry
Ready Mix Masala

सिर्फ ₹10(12g) में 300g पनीर तैयार

Available in 200g, 100g, 50g & ₹ 10/- (12g) Packs
Email: info@pushpmasale.com I W: www.pushpmasale.com

बनारस साड़ी सेंटर

397, तिलक नगर, इंदौर फोन: 96444-02001 / 02

प्रेषक :

जैन प्रतीक

मनी आर्डर, शिकायती पत्र, वर्ग पहेली के उत्तर, पत्र, पत्रिकाऍं, पत्र व्यवहार, समाचार, लेख आदि सभी निम्न पतें पर भेजें।

प्रधान सम्पादक : नरेन्द्रकुमार रांका
101, बोथरा इन्कलेव, 1/1, डॉ. आर. एस. भंडारी मार्ग,
आर.सी.एम. ग्रॉड के सामने, इंदौर

पता न मिलने पर पत्रिका प्रधान सम्पादक के पते पर लौटाये।

श्री जैन सेवा समिति श्वे., इन्दौर के लिए विमल नाहर द्वारा 52, भगवान महावीर मार्ग, इन्दौर से प्रकाशित एवं रेनबो प्रिन्ट, एल.जी. 24,बड़वानी प्लाजा, इंदौर से मुद्रित

प्रति,

पुस्त प्रेष्य